डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 अंक : 154 पेज: 8 जयपुर, बुधवार, 14 मई 2025 मूल्य: 1.50 रुपये

पाकिस्तान से अब सिर्फ बात होगी तो आतंकी व पीओके पर होगी : पीएम मोदी

- पाकिस्तान के खिलाफ सेना की कार्रवाई सिर्फ स्थगित की है
- न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं सहेंगे, हमारी तीनों सेनाएं अलर्ट

- पूरी दुनिया ने पराक्रम देखा
- सिंदूर मिटाने की कीमत हमने वसूल की
- जो फैसले लिए वह अभी भी हैं

नईदिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को संबोधित किया। भारत-पाकिस्तान तनाव के बाद पहली बार पीएम मोदी देश की जनता के सामने आये। पीएम मोदी ने संबोधन में कहा कि बीते दिनों में देश का

पानी और खून एक साथ नहीं बहेगा, फिर हिमाकत की तो मुंहतोड़ जवाब देंगे

सामर्थ्य और उसका संयम देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं को, सशस्त्र बलों को, हमारी खुफिया एजेंसियों को, वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की तरफ से सैल्यूट करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया। उनकी वीरता, साहस और पराक्रम को आज ये पराक्रम समर्पित करता हूं। सीजफायर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पाकिस्तान की गुहार पर भारत ने संघर्ष रोकने की सहमति दी है। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ मिलिट्री एक्शन को केवल स्थगित किया है। पाकिस्तान का रवैया देखकर आगे का एक्शन तय करेंगे। हमने जो फैसले लिए वह अभी भी जारी है। पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते है। अब तो सिर्फ पीओके और आतंक पर पाकिस्तान से बात होगी।

पाकिस्तान के साथ सीजफायर के 51 घंटे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- बीते दिनों में देश का सामर्थ्य और उसका संयम दोनों देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं को सशस्त्र बलों, खुफिया एजेंसियों और वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की तरफ से सैल्यूट करता हूं।

- **आतंक के आकाओं को भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया**-आतंक के बहुत सारे आका बीते ढाई तीन दशकों से खुलेआम पाकिस्तान में घूम रहे थे। जो भारत के खिलाफ साजिशें करते थे। उन्हें भारत ने एक झटके में खत्म कर दिया। हताशा में घिर गया था। बौखला गया था।
- **100 से ज्यादा खूंखार आतंकवादियों को मौत के घाट उतारा**-जब पाकिस्तान में आतंक के अड्डों पर भारत की मिसाइलों ने हमला बोला, भारत के ड्रोंस ने हमला बोला तो आतंकी संगठनों की इमारतें ही नहीं, हौसला भी थर्रा गया। 100 आतंकवादियों को मौत के घाट उतार दिए, और उसके कई एयरवेस तबाह कर दिए।

पद्मश्री डॉ. सुब्बन्ना अय्यप्पन की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

श्रीरंगपटना के पास कावेरी नदी में तैरता मिला उनका शव

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक पुलिस ने पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. सुब्बन्ना अय्यप्पन की संदिग्ध परिस्थिति में मौत की जांच शुरू कर दी है। वह शनिवार को श्रीरंगपटना के निकट कावेरी नदी में मृत पाए गए थे। 70 वर्षीय अयप्पन कृषि और मत्स्य पालन वैज्ञानिक थे और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का नेतृत्व करने वाले पहले गैर-फसल वैज्ञानिक थे। रविवार को कर्नाटक पुलिस ने बताया कि पुलिस को नदी में तैरते हुए एक शव के बारे में लोगों से सूचना मिलने के बाद उनका शव बरामद किया गया। उनका दोपहिया वाहन नदी किनारे पाया गया और संदेह है कि अयप्पन ने नदी में छलांग लगाई होगी।

छग में भीषण सड़क हादसा,13 की मौत

14 लोग घायल, रायपुर में ट्रक-ट्रेलर की हुई टक्कर

रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में रविवार देर रात मिनी ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। ट्रक में सवार ये सभी लोग छठी के कार्यक्रम से लौट रहे थे। ट्रक खरोरा के बाना गांव से आ रहा था। बंगोली में इसे रायपुर से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी। मृतकों में 10 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। इनमें एक ही परिवार की 3 महिलाओं का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया, जबकि एक बच्चे को दफनाया गया है। इनमें गीता साहू, प्रभा साहू और नंदनी साहू का अंतिम संस्कार किया गया। एकलव्य साहू (6) को दफनाया गया है।

महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग किले पर लगाई गई शिवाजी की प्रतिमा

मुंबई (एजेंसी)। सिंधुदुर्ग के राजकोट किले में छत्रपति शिवाजी महाराज की नई प्रतिमा को जनता के लिए खोला गया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ स्थल पर पूजा की। फडणवीस ने यहां शिव आरती की। इस कार्यक्रम में स्थानीय सांसद नारायण राणे, मत्स्य पालन मंत्री नितेश राणे, पीडब्ल्यूडी मंत्री शिवेंद्र भोसले और बीजेपी राज्य कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जो मूर्ति गिर गई थी, उसके स्थान पर अब एक अधिक मजबूत मूर्ति लगाई गई है।

हमने दिखा दिया हम किसी भी तरह की लड़ाई को हैं तैयार

- आर्मी ने पीसी में सब कुछ बताया, कहा-सेना नए मिशन के लिए तैयार

अगली लड़ाई अलग तरह से लड़ी जाएगी,हमें दुश्मनों से आगे रहना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने आज के प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। सेना ने सोमवार को पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर के बाद लगातार दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सेना के लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, नेवी से वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयरफोर्स से एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन की जानकारी दी। एयर मार्शल भारती ने कहा कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों से है, पाकिस्तानी सेना से नहीं। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने बताया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे दुश्मनों को भारी नुकसान हुआ। एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि

हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। उन्होंने साफ किया कि हमारी लड़ाई पाकिस्तानी सेना के साथ नहीं है। लेकिन, अगर पाकिस्तान की सेना आतंकियों का साथ देगी, तो हम उसका जवाब देंगे। जनरल घई ने बताया कि 7 मई की कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने हमले की कोशिश की।

हमें एक जॉब दी गई, हमने उसे पूरा किया

एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। पाकिस्तान अपनी कहानियां बना रहा है। हमें जो काम दिया गया था, हमने उसे पूरा किया। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। पाकिस्तान कोशिश कर रहा है कि वो अपनी कहानियां बनाए। हमें एक जॉब दी गई, हमने उसे पूरा किया। एयर मार्शल भारती पर सारी बातें क्लियर की।

भारतीय सेना नए मिशन के लिए तैयार

एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि हमारे सभी मिलिट्री बेस और सिस्टम ऑपरेशनल हैं और नए मिशन के लिए तैयार हैं। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया कि नौसेना सर्विलांस और डिटेक्शन में लगी हुई थी। हमने खतरों को पहचाना और उन्हें तुरंत खत्म किया। उन्होंने ड्रोन, हाईस्पीड मिसाइल और एयरक्राफ्ट की जानकारी दी। हमारे पायलट रात और दिन में ऑपरेट करने के लिए तैयार थे। उन्होंने कहा, साफ शब्दों में कहना चाहता हूं कि सभी मिलिट्री बेस, सिस्टम ऑपरेशनल हैं और नए मिशन के लिए तैयार हैं। वहीं वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया, नौसेना सर्विलांस, डिटेक्शन में लगी हुई थी। हमने मल्टीपल सेंसर्स और इनपुट्स दिए। हमने उन खतरों को पहचाना, जिन्हें तुरंत न्यूट्रिलाइज्ड किया जाना था। ड्रोन, हाईस्पीड मिसाइल और एयरक्राफ्ट की जानकारी दी गई, ये एडवांस राडार के जरिए दी गई। हमारे पायलट रात और दिन में ऑपरेट करने के लिए तैयार थे।

स्क्वाड्रन लीडर समेत पाकिस्तान के पांच जवानों की हो गई मौत

- रहीम यार खान एयरबेस तबाह,पाकिस्तान ने स्वीकारी सच्चाई

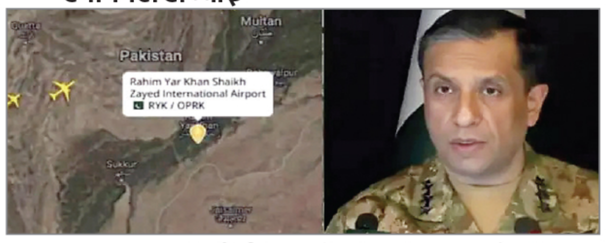

इस्मालाबाद (एजेंसी)। भारत के 10 मई को किए गए हमले में पाकिस्तान के पंजाब स्थित रहीम यार खान एयरबेस को भारी नुकसान पहुंचा है। भारत के मिसाइल हमले में सिंध में की थी। भारत के मिसाइल हमलों से पाकिस्तान के एयर डिफेंस सिस्टम नुकसान पहुंचा। खासतौर से रहीम यार खान और भोलारी एयरबेस को नुकसान हुआ। पाकिस्तान ने शुरू में इस नुकसान को स्वीकार करने में हिचक दिखाई है लेकिन अब उसने इस हमले की सच्चाई को मान लिया है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने बताया है कि रहीम

पाकिस्तान एयर फोर्स के पांच जवान भी मारे गए हैं। मरने वालों में एक स्क्वाड्रन लीडर उस्मान यूसुफ शामिल है। भारत ने यह कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से सीमा पर ड्रोन से हमले के जवाब यार खान के अलावा नूर खान एयरबेस (रावलपिंडी), रफीकी एयरबेस (पंजाब), मुरीद एयरबेस (चकवाल) और चुनियान एयरबेस (पंजाब) पर हमले हुए।

मारे गए आतंकियों का पाकिस्तान में सम्मान

लश्कर कमांडर के जनाजे में सैन्य अफसर और नेता हुए शामिल

बीजेपी का दावा-पंजाब की सीएम मरियम शरीफ भी शामिल हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑपरेशन सिंदूर में मारे गए पाकिस्तानी आतंकियों के जनाजे में वहां की सेना के सीनियर अफसर और नेता भी शामिल हुए थे। रविवार को भारतीय सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी गई। शामिल होने वालों के नाम बताए और तस्वीर भी दिखाई।

नेता ओर अफसर, लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अब्दुल रऊफ के साथ जनाजे की नमाज पढ़ते दिख रहे हैं। इनमें लेफ्टिनेंट जनरल फैयाज हुसैन, मेजर जनरल राव इमरान सरताज,

मेजर जनरल मोहम्मद फुरकान शब्बीर, पंजाब पुलिस के डॉक्टर उस्मान अनवर और सांसद मलिक अहमद शामिल हैं। भारतीय सैन्य अफसरों ने यह भी बताया कि पाकिस्तान के 11 आतंकी और सैन्य ठिकानों को बर्बाद किया गया है। सेना ने इन ठिकानों की सैटेलाइट इमेज जारी की। जिसमें अटैक से पहले और बाद की स्थिति दिखाई गई है।

एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका

ड्रग्स और सांप के जहर के इस्तेमाल का चलेगा केस

प्रयागराज (एजेंसी)। यूट्यूबर एल्विश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने रेव पार्टी में ड्रग्स-सांप के जहर के इस्तेमाल के मामले में चार्जशीट रद्द करने की याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने कहा- यादव के खिलाफ चार्जशीट और एफआईआर में बयान है। ऐसे आरोपों की जांच मुकदमे के दौरान की जाएगी। एल्विश ने याचिका में एफआईआर को

चुनौती नहीं दी है। आरोप है कि एल्विश रेव पार्टियों का आयोजन करते थे, जहां विदेशी नागरिक भी बुलाए जाते थे। लोगों को सांप का जहर और अन्य मादक पदार्थों का सेवन कराया जाता था।

यमुना सफाई

8372 करोड़ खर्च, फिर भी सबसे प्रदूषित नदी

- 37 में से 33 एसटीपी का ट्रीटेड पानी फिर नालों में मिल रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमुना नदी का महज 2 फीसदी हिस्सा दिल्ली में पड़ता है और यमुना के प्रदूषण का 80 फीसदी हिस्सा दिल्ली से मिलता है। यमुना को साफ करने के लिए अब तक 8372 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं और इतने खर्चे से दिल्ली में 37 सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाए गए और नतीजा है कि देश की राजधानी से गुजरने वाली यमुना नदी देश की सबसे प्रदूषित नदी है। विडंबना ये है कि दिल्ली सरकार का दावा है कि उसके पास पानी को साफ करने का इतना बड़ा बुनियादी ढांचा है कि वह दिल्ली में पैदा होने वाले गंदे पानी का 80 फीसदी साफ कर सकता है और अगले दो महीने में यह क्षमता शत-प्रतिशत गंदे पानी को साफ करने की होगी। सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वायरन्मेंट (सीएसई) ने अपनी नई रिपोर्ट में पाया है कि यदि दिल्ली के एसटीपी के ट्रीटेड पानी को यदि यमुना में सीधे पहुंचाया जाता तो यमुना फिर से जीवंत हो जाती। लेकिन स्थिति यह है कि 37 में से 33 एसटीपी यमुना तटों से काफी दूर बने हैं। उनका ट्रीटेड

पानी जिन 22 नालों के जरिए यमुना में पहुंचता है, उनमें पहले से गंदा पानी बह रहा होता है, इसलिए पानी को ट्रीट करने का कोई फायदा ही नहीं होता।

कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

- बीसीसीआई ने लिखा-थैंक्यू विराट, एक युग का अंत
- विरासत जारी रहेगी,डिविलियर्स बोले- सच्चा लीजेंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कोहली ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर लिखा- टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे। कोहली ने 10 मई को बीसीसीआई से कहा था कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहता हूं। बोर्ड ने कोहली को अपने फैसले पर फिर विचार करने को कहा था। 11 मई को बोर्ड के एक अधिकारी ने उनसे बात भी की थी। दिसंबर/जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर- गावस्कर सीरीज में विराट का प्रदर्शन बेहतर नहीं था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। सीरीज में कोहली ने 9 पारियों में 190 रन बनाए। इनमें एक शतक शामिल था। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक बनाए। विराट ने 7 दोहरे शतक लगाए। 2017 और 2018 में

वे टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए। विराट ने लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह फॉरमेट मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दी और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं। जब मैं इस फॉरमेट से दूर जा रहा हूं, तो यह आसान नहीं है, लेकिन यह फिलहाल सही लगता है। मैंने इसमें अपना सब कुछ दिया है और इसने मुझे मेरी उम्मीद से कहीं ज्यादा दिया है। मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभारी हूं, जिसने मुझे इस सफर में आगे बढ़ाया। मैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा।

रॉयल पत्रिका संपादकीय

पाकिस्तान की पोल खुली

आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

हालात बिगाड़ने की कोशिश

युद्ध जैसी स्थितियों के बावजूद अपने एयरस्पेस को बंद न करना और बॉर्डर के पास अंतरराष्ट्रीय उड़ानें जारी रखना बताता है कि पाकिस्तान जानबूझकर हालात और खराब करना चाहता है। वह हर मुमकिन कोशिश कर रहा है, जिससे भारत की आतंकवाद के खिलाफ जंग बड़े युद्ध में बदल जाए और उसे दुष्प्रचार का मौका मिले। भारत ने अगर जिम्मेदारी न दिखाई होती, तो बात अब तक पूरी तरह बिगड़ चुकी होती। दोनों देशों से शांति की अपील करने वाले वैश्विक समुदाय को पाकिस्तान की इन हरकतों को भी देखना चाहिए।

जवाब मिल गया

इस्लामाबाद के सारे कदम अंतरराष्ट्रीय नियम-कायदों के उलट हैं। वह खास धार्मिक इमारतों को लक्ष्य कर गोलाबारी कर रहा है, ताकि भारत में सांप्रदायिक तनाव पैदा कर सके। लेकिन, पूरा देश एकजुट है और सेना के साथ खड़ा है। भारतीय सेना ने भी जवाबी एक्शन में बहुत ही संयम से काम लिया है। बार-बार उकसाए जाने के बावजूद सेना ने केवल लक्षित हमले किए हैं। साथ ही, वह पाकिस्तानी दुष्प्रचार की भी पोल खोल रही है।

आतंकी प्रयास नाकाम

पहलगाम हमले से पाकिस्तान ने कोई भी संबंध होने से इनकार किया था। लेकिन, ऑपरेशन सिंदूर के बाद हर बीतते दिन के साथ उसका यह झूठ बेनकाब हो रहा है। सांबा में घुसपैठ का प्रयास करते 7 आतंकियों को भारतीय जवानों ने मार गिराया। यानी अभी भी पाकिस्तान आतंकियों के सहारे भारत में अस्थिरता फैलाने की कोशिश में लगा है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी बताया था कि सेना ने जिन आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया, वहां से और हमलों की साजिश चल रही थी।

पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा नहीं झेल पाएगी, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए।

"कर्ज के दलदल में पाकिस्तान: IMF लोन पर भारत की नजर

पाकिस्तान इस समय गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। जून 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान पर कुल सार्वजनिक कर्ज 256 बिलियन डॉलर (लगभग 21.6 लाख करोड़ रुपए) हो चुका है, जो देश की कुल GDP का 67% है। इस भारी-भरकम कर्ज का सबसे बड़ा हिस्सा विदेशी ऋण का है, जिसे पाकिस्तान ने अन्य देशों, अंतरराष्ट्रीय बैंकों और IMF जैसे वैश्विक संस्थानों से लिया है।

चिंताजनक बात यह है कि पाकिस्तान के पास अब सिर्फ 1.3 लाख करोड़ रुपए का विदेशी मुद्रा भंडार बचा है, जिससे वह मुश्किल से तीन महीने का आयात खर्च ही चला सकता है। कर्ज की यह स्थिति इतनी भयावह हो गई है कि देश में पैदा होने वाला हर बच्चा औसतन 86,500 रुपए के कर्ज के साथ जन्म ले रहा है।

भारत IMF लोन के खिलाफ कर सकता है वोट

अब भारत इस आर्थिक संकट को कूटनीतिक दृष्टिकोण से भी देख रहा है। सूत्रों के अनुसार, भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) से पाकिस्तान को दिए जाने वाले संभावित लोन के खिलाफ वोट कर सकता है। भारत का यह रुख इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि पाकिस्तान बार-बार भारत विरोधी गतिविधियों को समर्थन देता आया है, और भारत अब आर्थिक मंचों पर भी उसका विरोध कर सकता है।

चीन बना सबसे बड़ा कर्जदाता

वर्ल्ड बैंक की इंटरनेशनल डेब्ट रिपोर्ट 2024 के अनुसार, चीन ने दिसंबर 2023 तक पाकिस्तान को 28.7 बिलियन डॉलर (लगभग 2.42 लाख करोड़ रुपए) का कर्ज दिया है। यह कर्ज मुख्यतः चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (CPEC) के तहत सड़कों, बिजलीघरों और बंदरगाहों जैसे 433 प्रोजेक्ट्स के लिए लिया गया है। हालांकि, पाकिस्तान सरकार चीन से लिए गए कर्ज की पूरी जानकारी सार्वजनिक नहीं करती, जिससे इसकी पारदर्शिता पर सवाल उठते हैं।

दिसंबर 2024 तक सऊदी अरब ने 9.16 बिलियन डॉलर, यानी करीब 77.2 हजार करोड़ रुपए कर्ज दिया। पाकिस्तान के कुल विदेशी कर्ज में सऊदी अरब की 7% हिस्सेदारी है। यह हिस्सेदारी 2023 में 5% थी।

2019 में 3 बिलियन डॉलर का कैश डिपॉजिट लिया, जिससे हर साल रोलओवर किया जा रहा। 2023 में 300 मिलियन डॉलर तेल और पेट्रोलियम के इम्पोर्ट के लिए लिया। 2024 में 5 बिलियन डॉलर का कैश डिपॉजिट लिया, जिसे 2025 में रोलओवर किया जाएगा।

दिसंबर 2024 तक IMF ने पाकिस्तान को 7.5 बिलियन डॉलर, यानी करीब 64 हजार करोड़ रुपए कर्ज दिया। इसमें 7 बिलियन डॉलर का 37 महीने का एक्सटेंडेड फंड फैसिलिटी (EFF) प्रोग्राम भी शामिल है, जिसे सितंबर 2024 में शुरू किया था।

1958 से 2024 तक पाकिस्तान ने IMF से 25 बार में करीब 15 बिलियन डॉलर से ज्यादा कर्ज लिया, जिसमें से कुछ चुका दिया है।

EFF के तहत 7 बिलियन डॉलर की राशि में से सितंबर 2024 में 1 बिलियन डॉलर की पहली किस्त फौरन दी गई। बाकी 6 बिलियन डॉलर अगले 37 महीनों में दिए जाएंगे।

पाकिस्तान कर्ज के जाल में फंस चुका है। विदेशी कर्ज का इस्तेमाल दो प्रमुख चीजों में किया जाता है...

1. कर्ज चुकाने के लिए नया कर्ज: दिसंबर 2020 में चीन ने पाकिस्तान को करीब 12.6 हजार करोड़ रुपए ($1.5 बिलियन) का कर्ज दिया था। इसी समय पाकिस्तान को सऊदी अरब से लिए लोन की किस्त चुकानी थी, जिसमें करीब 8.4 हजार करोड़ रुपए ($1 बिलियन) चले गए।

इसी तरह पिछले साल मार्च में IMF ने पाकिस्तान को लगभग 9.2 हजार करोड़ रुपए ($1.1 बिलियन) का लोन मंजूर किया था। इसके अगले ही महीने पाकिस्तान ने लगभग 8.4 हजार करोड़ रुपए ($1 बिलियन) के मैच्योर हुए यूरो बॉन्ड का पेमेंट कर दिया।

2. विदेशों से जरूरत का सामान खरीदने के लिए: पाकिस्तान पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स और गैस का बहुत बड़ा हिस्सा आयात करता है। सितंबर 2024 के पहले हफ्ते में पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा भंडार करीब महज 79.2 हजार करोड़ रुपए ($9.4 बिलियन) बचा था, जिससे वह सिर्फ एक महीना का आयात कर सकता था।

इस समय पाकिस्तान विदेशों में काम कर रहे अपने अधिकारियों को सैलरी भी नहीं दे पा रहा था। ऐसे में IMF ने पाकिस्तान के लिए लगभग 59 हजार करोड़ रुपए ($7 बिलियन) के कर्ज को मंजूरी दे दी। चीन, सउदी अरब और UAE जैसे देशों ने भी पाकिस्तान की मदद का आश्वासन दिया था।

इसके अलावा कर्ज का कुछ हिस्सा सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से रक्षा बजट को बनाए रखने में जाता है। साथ ही बिजली, पेट्रोल, आटा आदि पर दी जाने वाली सब्सिडी भी कर्ज से फंड की जाती है। प्रशासनिक खर्च, सरकारी वेतन जैसे ऑपरेशनल खर्चों के लिए भी कर्ज लिया जाता है।

मई 2025 को IMF के एग्जीक्यूटिव बोर्ड की अगली मीटिंग होगी। इसमें पाकिस्तान को 1.3 अरब डॉलर यानी करीब 10.9 हजार करोड़ रुपए के कर्ज का रिव्यू किया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक भारत 'आतंकवाद' का मुद्दा उठाकर पाकिस्तान को ये पैसा देने का विरोध कर सकता है।

पिछली बैठक में भारत ने पाकिस्तान के बेलआउट पैकेट पर वोटिंग नहीं की थी। हालांकि, इस बार भारत पाकिस्तान को लोन देने के खिलाफ वोट कर सकता है। भारत का तर्क होगा कि पाकिस्तान IMF फंड का गलत इस्तेमाल कर रहा है और इससे आतंकवाद की मदद कर रहा है।

विदेश मामलों के जानकार और JNU के प्रोफेसर राजन कुमार कहते हैं, 'IMF के किसी देश को लोन देने के अलग पैरामीटर्स हैं। IMF मेम्बर्स कई पैमानों पर तय करते हैं कि किसी देश को लोन देना चाहिए या नहीं। इसमें IMF की शर्तें, FATF रैंकिंग और लोन वापस करने की क्षमता को देखा जाता है। भारत मीटिंग में पाकिस्तान के लोन को रुकवाने की कोशिश जरूर कर सकता है, लेकिन पाकिस्तान का लोन रोक पाना फिलहाल मुश्किल है।' पाकिस्तान को अगले चार सालों में 100 बिलियन डॉलर यानी करीब 8.4 लाख करोड़ रुपए का विदेशी कर्ज चुकाना है। वहीं जुलाई 2025 तक पाकिस्तान को विदेशी कर्ज और ब्याज मिलाकर 30.35 बिलियन डॉलर यानी करीब 2.56 लाख करोड़ रुपए चुकाने हैं।

27 अप्रैल को स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने बताया था कि जून 2025 तक पाकिस्तान का फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व बढ़कर 14 बिलियन डॉलर, यानी करीब 1.18 लाख करोड़ रुपए हो जाएगा। फिर भी पाकिस्तान पर इससे दोगुना कर्ज होगा। ऐसे में कर्ज चुकाना आसान नहीं होगा।

मई 2024 में IMF ने पाकिस्तान के कर्ज चुकाने की क्षमता पर संदेह जताया था। IMF ने कहा कि पाकिस्तान की कर्ज चुकानी की क्षमता पर जोखिम है। यह पाकिस्तान की नीतियों और समय पर बाहरी कर्ज मिलने पर निर्भर करेगा की वे लोन चुका पाएंगे या नहीं।

कर्ज लेना हमेशा देश के लिए खराब नहीं होता। वहीं आमतौर पर इसका महंगाई से कोई सीधा संबंध भी नहीं है। सरकार कर्ज के पैसे को इनकम बढ़ाने के लिए इस्तेमाल करती है। कर्ज का पैसा जब बाजार में आता है तो इससे सरकार का रेवेन्यू बढ़ता है।

केयर रेटिंग एजेंसी के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनवीस के मुताबिक अगर कर्ज के पैसे का गलत इस्तेमाल हो तो महंगाई बढ़ भी सकती है। जैसे- कर्ज लेकर पैसा आम लोगों में बांट दिया जाए तो लोग ज्यादा चीजें खरीदने लगेंगे। इससे बाजार में चीजों की मांग बढ़ेगी। मांग बढ़ने के बाद आपूर्ति सही नहीं रही तो चीजों की कीमत बढ़ेगी।

पाकिस्तान के मामले में स्थिति अलग है। पाकिस्तान के कर्ज लेने से उसके देश में महंगाई बढ़ी है। इसकी वजह IMF ने पाकिस्तान को लोन देने के बदले सब्सिडी बंद करने की शर्त रखी है। इससे चीजों की कीमतें बढ़ जाती हैं।

पाकिस्तान के अलावा दूसरे देश भी कर्ज लेते हैं, लेकिन वे अपने देश के विकास पर कर्ज के पैसे खर्च करते हैं। पाकिस्तान के केस में ऐसा नहीं है। 2014 में पाकिस्तान की GDP 22.8 लाख करोड़ रुपए ($271 बिलियन) थी। अगले 10 सालों में महज 37% बढ़कर 31.5 लाख करोड़ रुपए ($373 बिलियन) हुई। वहीं इसी दौरान भारत की GDP में 92% तक बढ़ोतरी हुई। इससे यह साफ है कि पाकिस्तान कर्ज में लिए पैसों का इस्तेमाल देश के विकास के अलावा दूसरे कामों में करता है। दिसंबर 2024 में भारत पर कुल विदेशी कर्ज करीब 60 लाख करोड़ ($717.9 बिलियन) है। भारत पाकिस्तान की तरह आर्मी को फंड करने या कर्ज चुकाने कर्ज नहीं लेता, बल्कि देश के विकास और सरकारी योजनाओं पर कर्ज के पैसे खर्च करता है। भारत की GDP में होती बढ़ोतरी इसका सबूत है। 2014 में जहां भारत की GDP $2,039 बिलियन, यानी लगभग 172 लाख करोड़ थी, वह 2024 तक 92% बढ़कर $3,909 बिलियन, यानी लगभग 330 लाख करोड़ हो गई है।

2020 में आई कोविड-19 महामारी के बाद से भारत सरकार कई तरह की सब्सिडी भी दे रहा है। जैसे-

80 करोड़ लोगों को हर महीने मुफ्त अनाज

करीब 10 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत मुफ्त गैस सिलेंडर

करीब 9 करोड़ किसानों को सालाना 6 हजार रुपए

PM आवास योजना के तहत दो करोड़ लोगों को घर बनाने में आर्थिक सहायता

विश्लेषण

अश्विनी वैष्णव

ऑपरेशन सिंदूर : आतंकवाद से निपटने का नया सिद्धांत

पहलगाम में हुआ नरसंहार केवल निर्दोष लोगों के जीवन पर हमला नहीं था- यह भारत की अंतरात्मा पर भी किया गया आक्रमण था। इसके प्रत्युत्तर में भारत ने आतंकवाद-रोधी कार्रवाई की नियम पुस्तिका के पुनर्लेखन का निर्णय लिया। ऑपरेशन सिंदूर राष्ट्रीय सुरक्षा के हितों की रक्षा के लिए मोदी सरकार की न बर्दाश्त करने और कोई समझौता नहीं करने की नीति यानी मोदी सिद्धांत की सबसे स्पष्ट अभिव्यक्ति है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने टेलीविजन पर राष्ट्र के नाम संबोधन में आतंकवाद से निपटने के लिए अपने इस सिद्धांत की रूपरेखा प्रस्तुत की। हाल की घटनाओं के आधार पर निर्मित यह सिद्धांत आतंकवाद और बाहरी खतरों पर भारत की प्रतिक्रिया के लिए निर्णायक तौर-तरीके निर्धारित करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह सुनिश्चित किया कि सिंधु जल संधि को निलंबित करने से लेकर आतंकी शिविरों पर सैन्य प्रहार शुरू करने तक का हर कदम सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध और समयबद्ध तरीके से उठाया जाए और संचालित हो। इस संदर्भ में सरकार ने उत्तेजना में कार्रवाई करने के बजाय रणनीतिक रूप से कार्रवाई के रास्ते को चुना। इससे पाकिस्तान और आतंकी समूह भारत की प्रतिक्रिया का अनुमान नहीं लगा सके। साथ ही, ऑपरेशन सिंदूर को आश्चर्यजनक तरीके से, सटीकता और पूर्ण प्रभाव के साथ अंजाम देना भी सुनिश्चित हो सका। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में भारत की औपचारिक नीति को व्यक्त करता है। यह भारत के रणनीतिक दृष्टिकोण में निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन ने आतंकवाद-रोधी उपायों का नया मानक स्थापित किया है जो नई सामान्य स्थिति को प्रकट करता है। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक नाम नहीं है, बल्कि यह देश के लाखों लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। इसके माध्यम से दुनिया को भारत की ओर से यह संदेश दिया गया है कि बर्बरता का सामना संतुलित और सटीक बल प्रयोग से किया जाएगा। आतंकवाद के साथ पड़ोसी देश की सांठ-गांठ अब कूटनीतिक आवरण या परमाणु हथियारों की धमकियों से जुड़ी बयानबाजी के पीछे नहीं छिप सकेगी। इस सिद्धांत के पहले प्रमुख स्तंभ में आतंकवादी घटनाओं का भारत की शर्तों पर निर्णायक उत्तर निहित है- भारत पर किसी भी आतंकवादी हमले का भारत की शर्तों पर ही करारा जवाब दिया जाएगा। देश आतंकवाद की जड़ों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि इसकी साजिश रचने वाले और प्रायोजक अपनी करनी का फल अवश्य भुगतें।इस सिद्धांत का दूसरा स्तंभ परमाणु हथियारों की धमकी देकर डराए जाने के प्रयासों के प्रति शून्य सहनशीलता है। इसका अर्थ है- भारत परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकियों या दबाव के आगे बिल्कुल नहीं झुकेगा। इसमें इस बात पर भी बल दिया गया है कि परमाणु हथियारों को ढाल बनाकर आतंकवाद का बचाव करने के किसी भी प्रयास का सटीक और निर्णायक कार्रवाई से जवाब दिया जाएगा। इस सिद्धांत का तीसरा स्तंभ यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों और उनके प्रायोजकों के बीच कोई अंतर नहीं है। ऐसी किसी भी घटना के संबंध में भारत न केवल आतंकवादियों को बल्कि उनके समर्थकों- दोनों को उत्तरदायी ठहराएगा। आतंकवादियों को शरण देने वालों, उन्हें धन देने या उनके लिए धन की व्यवस्था करने वालों या आतंकवाद का समर्थन करने वालों को भी उनके समान ही परिणाम भुगतने पड़ेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुद्दे को वैश्विक संदर्भ में प्रस्तुत किया है। आतंकवाद का समर्थन करने और उनको बढ़ावा देने वाले राष्ट्र अंततः अपना विनाश स्वयं कर लेंगे। उन्होंने उनसे आग्रह किया है कि इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, वे अपने आतंकवादी ढांचे को नष्ट कर दें। नया सिद्धांत राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण परिवर्तन को दर्शाता है और आतंकवाद के विरुद्ध ठोस एवं दृढ़ रुख की नज़ीर पेश करता है। सरकार अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और यह सुनिश्चित करेगी कि भारत की संप्रभुता से कोई समझौता न हो। आतंकवाद को लेकर अब रुख पहले जैसा नहीं होगा, यह पहली बार नहीं है जब भारत ने स्पष्ट रूप से साहस के साथ कार्रवाई की है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने 2016 में की गई सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट और अब ऑपरेशन सिंदूर तक भारत की शर्तों पर आतंकवाद के विरुद्ध त्वरित और निर्णायक कार्रवाई का स्पष्ट सिद्धांत बनाया है। ऑपरेशन सिंदूर अंत नहीं है - यह स्पष्टता, साहस और आतंकवाद से निपटने के लिए हमारे संकल्प के एक नए युग का आरंभ है।

(लेखक केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और प्रौद्योगिकी तंत्रज्ञान मंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

समत्वं योग उच्यते

संकलित

दर्शन

जिस मनुष्य का जीवन योगयुक्त है, उसे जीवन चलाने के कर्म बंधन में बांधने वाले नहीं होते। जैसे कमल कीचड़ में रहकर भी कमल ही रहता है। युक्त और अयुक्त का अर्थ योगयुक्त और योगअयुक्त से है अर्थात योग है समत्व बुद्धि। 'समत्वं योग उच्यते'। समत्व बुद्धि से तात्पर्य सोच-विचार कर किए गए कर्म को योगयुक्त कर्म कहते हैं। समत्व बुद्धि से अर्थ सुख-दुख, विजय-पराजय, हर्ष-शोक, मान-अपमान इत्यादि द्वंद्वों में विचलित हुए बिना एक समान शांत चित्त रहे- वही कर्मयोगी कहलाता है। स्थितप्रज्ञ : जिस काल में यह पुरुष मन में स्थित संपूर्ण कामनाओं को त्याग देता है, उस काल में आत्मा से ही आत्मा में संतुष्ट हुआ, जैसे जहाज को चलाने वाले के पास ठीक दिशा बताने वाला कम्पास या यंत्र होना चाहिए, उसी तरह श्रेष्ठ जीवन जीने के तथा मोक्ष के अभिलाषी व्यक्ति के पास 'योग' होना चाहिए। योग नहीं तो जीवन दिशाहीन है। यही बात कृष्ण ने गीता में स्थितप्रज्ञ के विषय में कही है। बुद्धि को निर्मल और तीव्र करने के लिए योग ही एक मात्र साधन है। योग सथित व्यक्ति साधारण मनुष्यों से विलक्षण देखने लगता है। जिस व्यक्ति के भीतर जीवन में सत्य की किरणें फैल जाती हैं, सत्य का सूर्य जगता है और जिसकी आंतरिक चेतना जागृति को, पूर्ण जागृति को उपलब्ध हो जाती है, उसका जीवन स्पांटेनियस हो जाता है, सहज हो जाता है, सहज-स्फूर्त हो जाता है। उसके जीवन में किसी ढांचे को खोजना मुश्किल है। उसके जीवन में कोई बंधी-बंधाई रेखाएं नहीं होतीं।

दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि

संकलित

प्रेरणा

स्वामी विवेकानंद एक बार कहीं जा रहे थे। रास्ते में नदी पड़ी तो वे वहीं रुक गए क्योंकि नदी पार कराने वाली नाव कहीं गई हुई थी। स्वामीजी बैठकर राह देखने लगे कि उधर से नाव लौटे तो नदी पार की जाए। एका-एक वहां एक महात्मा भी आ पहुंचे। स्वामीजी ने अपना परिचय देते हुए उनका परिचय लिया। बातों ही बातों में महात्माजी को पता चला की स्वामीजी नदी किनारे नाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं। महात्मा जी बोले, अगर ऐसी छोटी-मोटी बाधाओं को देखकर रुक जाओगे तो दुनिया में कैसे चलोगे? तुम तो स्वामी हो, बड़े आधात्यात्मिक गुरु और दार्शनिक माने जाते हो। जरा सी नदी नहीं पार कर सकते? देखो, नदी ऐसे पार की जाती है। महात्मा जी खड़े हुए और पानी की सतह पर तैरते हुए लंबा चक्कर लगाकर वापस स्वामी जी के पास आ खड़े हुए। स्वामीजी ने आश्चर्य चकित होते हुए पूछा, महात्माजी, यह सिद्धि आपने कहां और कैसे पाई? महात्मा जी मुस्कुराए और बड़े गर्व से बोले, यह सिद्धि ऐसे ही नहीं मिल गई। इसके लिए मुझे हिमालय की गुफाओं में तीस साल तपस्या करनी पड़ी। महात्मा की इन बातों को सुनकर स्वामी जी मुस्करा कर बोले, आपके इस चमत्कार से मैं आश्चर्यचकित तो हूं लेकिन नदी पार करने जैसे काम जो दो पैसे में हो सकता है, उसके लिए आपने अपनी जिंदगी के तीस साल बर्बाद कर दिए। यानी दो पैसे के काम के लिए तीस साल की बलि! ये तीस साल अगर आप मानव कल्याण के किसी कार्य में लगाते या कोई दवा खोजने में लगाते, जिससे लोगों को रोग से मुक्ति मिलती तो आपका जीवन सचमुच सार्थक हो जाता।

अंतर्मन

आज की पाती

भारतीय मानवता का सम्मान करें पाक नागरिक

यह बहुत ही स्पष्ट परिदृश्य है कि अंतत : पाकिस्तान के साधारण, लाचार, बेचारे करोड़ों नागरिकों को ही इस प्रकार के युद्ध की बहुत ही बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। पाकिस्तान के सभी उग्रवादी नेता, आईएसआई के अधिकारी और जनरल-कर्नल वगैरह तो रातों-रात पाकिस्तान छोड़कर अपने प्राइवेट/चार्टेड विमानों से दुनिया के अन्य कई देशों में रहने-जीने के लिए भाग जाएंगे। ये बहुत दुखद लेकिन पूर्ण सत्य है कि करोड़ों सामान्य पाकिस्तानी लोग या तो बहुत ही भोले-भाले, अनभिज्ञ और नासमझ हैं या फिर उग्रवादी किस्म के पकिस्तानी सेना, नेताओं और आईएसआई द्वारा उन्हें हमेशा ही अव्वल दर्जे का बेवकूफ बनाकर रखा जाता है। ऐसी स्थिति में पाक नागरिकों को भारतीय मूल्यों व मानवता का सम्मान करना चाहिए। *- राजेश अग्रवाल, राजनांदगांव*

ट्रेंड

अदम्य साहस का परिचय

हमारे भारतीय सशस्त्र बलों ने बार-बार अदम्य साहस का परिचय दिया है। ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी ढांचे को हिलाकर रख दिया और उनकी बेमिसाल वीरता और बलिदान का एक शानदार उदाहरण बन गया।

-जे.पी. नड्डा, भाजपा अध्यक्ष

परीक्षा उत्तीर्ण की बधाई

सभी युवा मित्रों और उनके माता-पिता को हार्दिक बधाई, जिन्होंने सीबीएसई की 10वीं-12वीं की परीक्षाएं सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की हैं। यह कड़ी मेहनत, समर्पण और दृढ़ता के फल का आनंद लेने लेने का क्षण है।

-धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री

नए सिद्धांत को आकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिर्फ भाषण नहीं दिया, उन्होंने भारत के नए सिद्धांत को आकार दिया। उनका संबोधन पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों को कड़ी चेतावनी और दुनिया को देश की ताकत के बारे में स्पष्ट संदेश है।

-एन. चंद्रबाबू नायडू, सीएम, आंध्र प्रदेश

तकनीक को दोस्त बनाएं

मैं सभी युवा भारतीयों से कहना चाहूँगा कि वे तकनीक को अपना सबसे अच्छा दोस्त बनाएँ। हम पहले से ही डिजिटल युग में हैं, और अधिक से अधिक एआई का उपयोग करने की ओर बढ़ रहे हैं।

-अनिल अग्रवाल, उद्यमी

करंट अफेयर

यूक्रेन के वायु क्षेत्र में विमान गिराने के लिए रूस जिम्मेदार

अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन के परिषद ने यूक्रेन के वायु क्षेत्र में मलेशिया एयरलाइंस की एक उड़ान को 2014 में मार गिराने के लिए मंगलवार को रूस को जिम्मेदार ठहराया। इस घटना में, विमान में सवार 298 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। परिषद के इस निष्कर्ष पर पहुंचने से, पीड़ितों के परिजनों के लिए मुआवजा पाने की संभावना बढ़ गई है। नीदरलैंड नीत अंतरराष्ट्रीय जांच 2016 में पूरी हुई थी, जिसमें यह पाया गया था कि एमस्टर्डम से कुआलालंपुर की उड़ान को 17 जुलाई 2014 को यूक्रेन से अलगाववादियों द्वारा मिसाइल से किये गए हमले में मार गिराया गया था। इस मिसाइल प्रणाली की आपूर्ति रूस ने की थी। हालांकि, मॉस्को ने उड़ान संख्या एमएच 17 घटना में अपनी किसी तरह की संलिप्तता होने से इनकार किया है। नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने 2022 में मॉन्ट्रियल स्थित वैश्विक विमानन एजेंसी के समक्ष रूस के खिलाफ मामला लाया था और इस फैसले का स्वागत किया है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में इस मामले को सुलझाया नहीं जा सकता था क्योंकि रूस, नीदरलैंड के हेग स्थित इस न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता है। परिषद ने पाया कि रूस ने शिकागो समझौते का उल्लंघन किया है।

ऑफ बीट

नियमित व्यायाम डिमेंशिया से बचाव में है कारगर

जैसे-जैसे डिमेंशिया के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ रही है, वैसे-वैसे रोकथाम के उपाय जानने की दिलचस्पी में भी इजाफा हो रहा है। मीडिया में आई खबरों में नियमित व्यायाम, स्वस्थ खानपान, दिमागी कसरत और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी को डिमेंशिया के जोखिम में कमी लाने के लिए कारगर बताया गया है। डिमेंशिया तंत्रिका-तंत्र से जुड़ा एक विकार है, जिसमें याददाश्त, सोचने-समझने एवं फैसले लेने की शक्ति और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता प्रभावित होती है। अल्जाइमर (मस्तिष्क के अंदर और उसके आसपास की कोशिकाओं में एमिलॉयड नाम के प्रोटीन के थक्के जमने से होने वाला डिमेंशिया) को डिमेंशिया का सबसे आम स्वरूप माना जाता है। इसके अलावा, बड़े पैमाने पर 'वैस्कुलर डिमेंशिया' (मस्तिष्क में खून का प्रवाह धीमा पड़ने के कारण होने वाला डिमेंशिया) और 'लेवी बॉडी डिमेंशिया' (मस्तिष्क में 'लेवी बॉडी' नाम के प्रोटीन के थक्के जमने से होने वाला डिमेंशिया) के मामले भी सामने आते हैं। डिमेंशिया में तंत्रिका-तंत्र की कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं, जिससे उनमें संचार की प्रक्रिया प्रभावित होती है और व्यक्ति को भ्रम, भूलने की बीमारी और व्यवहार में बदलाव की शिकायत सता सकती है।

रॉयल पत्रिका

राज्यपाल बागडे ने ली अलवर जिले की विभागीय समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं तथा विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करें और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाएं। राज्यपाल बागडे मंगलवार को अलवर जिले के मिनी सचिवालय स्थित कलक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अधिकारी संवेदनशील रहकर केंद्र व राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करावे ताकि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ सुगमता से मिले।

बागडे ने विभागवार योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि नई शिक्षा नीति के प्रावधानों की जानकारी हेतु शिक्षकों को प्रशिक्षित करें। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षक नई शिक्षा नीति के अनुरूप विद्यार्थियों के किताबी ज्ञान के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास करें। इस नीति के तहत 3 साल से अधिक उम्र के बच्चों का नामांकन करते हुए शिक्षा से जोड़ने को कहा। उन्होंने जिले में ड्रॉप-आउट विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा से जोड़ने हेतु किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास एवं प्राचीन ग्रंथ ज्ञान के भंडार हैं। इससे आज का युवा बहुत कुछ सीख सकता है।

राज्यपाल ने जल जीवन मिशन की जिले में प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिये कि योजना में नॉन फिजिबल पाए गए गांवों एवं योजना के दायरे से बाहर की ढांणियों में पेयजल व्यवस्था के लिए कार्य योजना बनाएं। उन्होंने कहा कि गांव का पानी गांव में रहे इस उद्देश्य के साथ मनरेगा के तहत जल संरक्षण, चारागाह विकास, पौधारोपण आदि के कार्य अधिकाधिक स्वीकृत कराने व नरेगा कार्यों में वृद्धि करने के संबंध में दिशा-निर्देश दिये।

उन्होंने पीएम आवास योजना की समीक्षा करते हुए जनजाति वर्ग, घुमंतू व अर्ध-घुमंतू समुदायों को पात्रता अनुसार मय शौचालय आवास उपलब्ध कराने को कहा,

पीएम ग्राम सड़क योजना के तहत दूर-दराज तक ढाणियों व छोटी बस्तियों को सड़कों से जोड़ने, पीएम कुसुम योजना व पीएम सूर्य घर योजना से अधिकाधिक लोगों को जोड़ते हुए सोलर पैनल लगाने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिये कि काश्तकार व पशुपालकों को न केवल योजनाओं की जानकारी देवे बल्कि उन्हें इन योजनाओं से जोडकर उनकी आमदनी में बढ़ोत्तरी कर विकास की मुख्य धारा में आने का अवसर प्रदान करें।

बागडे ने कृषि अधिकारी को मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के लाभों के बारे में किसानों को जानकारी देते हुए स्वयं किसानों द्वारा मृदा की जांच करवाने हेतु लैब में सैंपल भिजवाने के लिए जागरूक करने को कहा। उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, लखपति दीदी योजना, नेशनल हेल्थ मिशन, महिला एवं बाल विकास विभाग, खनन विभाग, उद्योग विभाग सहित डेयरी विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर पात्रों तक लाभ पहुंचाने के लिए विशेष कार्य योजना के साथ कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि महिला समूहों को प्रोत्साहित कर उनके उत्पादों की विपणन, ब्रांडिंग व मार्केटिंग में सहयोग करें।

राष्ट्रीय सहकार मसाला मेला-2025 का आयोजन

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जवाहर कला केन्द्र में आयोजित किये जा रहे राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले के प्रति जयपुरवासियों का विशेष उत्साह नजर आ रहा है। मेले में मसालों के साथ ही अन्य उत्पादों की जमकर खरीददारी की जा रही है। पिछले चार दिन में ही मसाला मेले में 1.28 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हो चुकी है।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल ने बताया कि मेला दिन-ब-दिन परवान चढ़ रहा है। जयपुरवासी बड़ी संख्या में अपनी आवश्यकता के अनुसार मेले में साबुत एवं पिसे मसालों के साथ ही अन्य उत्पादों की खरीददारी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मेले में 9 मई को 11 लाख, 10 मई को 42 लाख, 11 मई को 44 लाख एवं 12 मई को 31 लाख रुपये के मसालों और अन्य उत्पादों की बिक्री हुई। कॉनफैड स्टोर पर उपलब्ध सिहोरी गेहूं के साथ ही कोटा-बूंदी का तानसेन एवं मधुबाला चावल, केरल के मसाले, इरोड (तमिलनाडू) की हल्दी, बारां का धनिया आदि की मेले में जबर्दस्त डिमांड है। ग्राहकों के लिए मोबाइल चक्की के माध्यम से मसालों की निशुल्क पिसाई की व्यवस्था की गई है। साथ ही, आगन्तुकों के लिए निःशुल्क पार्किंग सुविधा उपलब्ध करवाई गई है।

राजपाल ने बताया कि मेले में स्टॉल्स की संख्या बढ़ाकर 145 कर दी गई है। इस बार कॉनफैड कि स्टॉल सहित लगभग 25 स्टॉल्स पर "श्री अन्न" उत्पाद भी प्रदर्शित किए जा रहे हैं, जो ग्राहकों के लिए विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं। साथ ही, ताजा फल एवं सब्जी भी मेले में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त ड्राई फ्रूट्स, कुकीज, चिप्स, नमकीन,

पापड़, मंगोड़ी, अचार, जैम, शर्बत, ठण्डाई, माउथ फ्रेशनर, कैंडी, मुम्बईया सौंफ, बनारसी पान, इत्र, ऑर्गेनिक अगरबत्ती, मेहंदी, सूखी सब्जियां, रेडी टू ईट प्रोडक्ट्स, किचन वीयर, हैंडीक्राफ्ट्स, सजावटी सामान, सौन्दर्य उत्पाद, हैल्थ प्रोडक्ट्स एवं परिधान आदि विशेष आकर्षण का केन्द्र हैं।

प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि मेले में प्रतिदिन मनमोहक सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को जयपुर संभाग की ओर से हुई सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोहा। कार्यक्रम में सुदेश शर्मा एंड पार्टी की ओर से दी गई गीत-संगीत की प्रस्तुतियों ने समां बांधा। साथ ही, राजस्थानी लोकनृत्यों की प्रस्तुति ने भी उपस्थित दर्शकों को रोमांचित किया।

दिव्यांगजनों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए विभागों को सटीक कार्ययोजना बनाकर करना होगा काम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव, विशेष योग्यजन बचनेश अग्रवाल ने कहा कि दिव्यांगजनों को प्रदेश में समान अवसर प्रदान करने एवं उन्हें सशक्त बनाकर राज्य के विकास में उनकी प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभाग सटीक कार्ययोजना बनाकर दिव्यांगजनों को राहत प्रदान करें।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय अंबेडकर भवन में मंगलवार को आयोजित आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि सभी विभाग दिव्यांगजन फ्रेंडली भवन और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। दिव्यांगजनों के लिए उपयुक्त रैंप, बाथरूम और रिसेप्शन आदि सुविधाएं उपलब्ध कराएं। उन्होंने संबंधित विभागों को दिव्यांगजनों की मदद के लिए निचले स्तर तक नोडल और शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग दिव्यांगजनों को स्थानांतरण व पदस्थापन में वरीयता दें। साथ ही आवास आवंटन से लेकर हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि वे स्वयं को आत्मनिर्भर और सशक्त बना सकें।

कार्मिक विभाग के संयुक्त सचिव दिनेश शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2021 से दिव्यांगजनों के लिए पदोन्नति में 4 प्रतिशत होरिजेंटल आरक्षण निर्धारित किया है। उन्होंने कहा कि सभी विभाग दिव्यांगजनों को सेवा में प्रवेश, पदोन्नति एवं वरिष्ठता

में नियमानुसार आरक्षण देना सुनिश्चित करें। उन्होंने इस दौरान दिव्यांगजनों को दिए जाने वाले होरिजेंटल आरक्षण तथा इससे जुड़े कई सवालों की उदाहरण सहित व्याख्या भी की।

अतिरिक्त आयुक्त सुमन पंवार ने विशेष योग्यजनों के लिए समान अवसर नीति-2025 के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि नीति के लागू होने से दिव्यांगजन सशक्त, सक्षम और योग्य बनेंगे और अपनी क्षमताओं का पूर्ण उपयोग कर सकेंगे।

कार्यशाला में अतिरिक्त निदेशक केसर लाल मीणा, उप निदेशक दीपाली भगोतिया, अतिरिक्त निदेशक अरविंद कुमार सैनी सहित खाद्य, विद्त, कार्मिक, बाल अधिकारिता, स्वायत्त शासन विभाग, यूएनएफपीए सहित कई अन्य विभाग तथा समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान बना अग्रणी प्रदेश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य में मेजर मिनरल के 22 ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही योजनावद्ध तरीके से 22 ब्लॉकों में से 14 माइनिग लीज व 8 कंपोजिट लाइसेंस ब्लॉकों की नीलामी के लिए 16 अप्रेल को निविदा सूचना जारी करने के साथ ही 21 मई तक निविदाएं आमंत्रित की गई है। उन्होंने बताया कि दस्तावेजों की जांच के बाद जून के पहले सप्ताह से निविदादाताओं द्वारा भारत सरकार के ई प्लेटफार्म एमएसटीसी पर तय कार्यक्रम के अनुसार बोली लगाई जाएगी।

रविकान्त ने बताया कि लाइमस्टोन के माइनिंग लीज के 14 ब्लॉकों में जैसलमेर में 11, नागौर में 2 और कोटा में एक ब्लॉक की नीलामी की जा रही है। इसके अलावा 8 कंपोजिट लाइसेंस ब्लॉकों में ब्यावर के शाहपुरा ब्लॉक और कुर्तियान ब्लॉक, सवाईमाधोपुर के चौथ का बरवाड़ा और भीलवाड़ा के पश्चिमी सामोदी में बेस मेटल, जैसलमेर के मण्डई 4 और मण्डई 5 में सिलिओसिस अर्थ के एक-एक और जालौर के चटवाड़ा ब्लॉक में फ्लोराइट और बांसवाड़ा के गररिया ब्लॉक में मैग्नींज के एक ब्लॉक की नीलामी की जा रही है।

भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में मिनरल ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान देश में अग्रणी प्रदेश बन गया है। गत वित्तीय वर्ष में रेकार्ड 34 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी के साथ ही केन्द्र सरकार द्वारा 2015 से सभी मिनरल ब्लॉकों का ऑक्शन प्रावधानों के बाद से अब तक प्रदेश में 88 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी की जा चुकी है। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ ही ब्लॉकों की ई-नीलामी की प्रक्रिया शुरु करने से इस वित्तीय वर्ष में गत वर्ष के 34 ब्लाकों से भी अधिक की नीलामी कर नया कीर्तिमान बनाने की तैयारी है।

निदेशक माइंस दीपक तंवर ने बताया कि भारत सरकार के पोर्टल एमएसटीसी पर प्रथम चरण के दौरान जो निविदादाता नेटवर्थ एवं ऑक्शन रूल्स में अंकित योग्यता पूरी करेंगे वे ही द्वितीय चरण में बोली प्रस्तुत कर सकेंगे। नीलामी हेतु प्रस्तावित ब्लॉक्स का विवरण और विस्तृत सूचनाएं विभागीय वेबसाइट एवं एम.एस.टी.सी पोर्टल पर उपलब्ध है।

सरकारी कार्यक्रमों में करें शामिल प्रदेश सरकार युवाओं को दे रही रोजगार के पर्याप्त अवसर - भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भजनलाल शर्मा ने कहा कि बजट की प्रत्येक घोषणा को पूरा करने के लिए अधिकारी टाइमलाइन बनाते हुए काम करें। अधिकारी उसी तय सीमा में काम को पूरा करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 2047 तक विकसित राजस्थान के संकल्प को ध्यान में रखते हुए अपने प्रत्येक बजट में राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए विभिन्न प्रावधान किए हैं। हम प्रदेश के युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर देते हुए उन्हें आत्मनिर्भर, सशक्त एवं खुशहाल बनाने के लिए निरंतर काम कर रहे हैं।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभिन्न घोषणाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बजटीय घोषणाओं की प्रगति का नियमित फॉलोअप सुनिश्चित कर रही है, जिससे जमीनी स्तर पर इन योजनाओं का लाभ आखिरी व्यक्ति तक पहुंचे।

वन कार्मिक, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती शीघ्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि राज्य के युवाओं को रोजगार मिले। इस दिशा में लगभग 1 लाख 88 हजार सरकारी पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में जनकल्याणकारी योजनाओं की सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण पहुंच सुनिश्चित कर रही है। इसी क्रम में शीघ्र ही वन विभाग में विभिन्न कार्मिकों, पटवारी, स्कूल शिक्षक तथा कांस्टेबल के पदों पर भर्ती की जाएगी। कार्मिक विभाग द्वारा इस संबंध में अग्रिम कार्यवाही प्रारंभ की जा चुकी है।

चिकित्सालयों में लगाए जाएंगे हॉस्पिटल मैनेजर

शर्मा ने कहा कि चिकित्सा महाविद्यालयों सहित सभी चिकित्सा संस्थानों में बेहतर प्रशासनिक प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिए हॉस्पिटल मैनेजर का पद सृजित किया जाएगा। विभाग में कार्यरत चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को विशेष प्रशिक्षण दिया जाए जिससे उनकी प्रबंधन दक्षताओं में वृद्धि हो सके। उन्होंने कहा कि मां योजना तथा आरजीएचएस पोर्टल को इंटीग्रेटेड हैल्थ मैनेजमेंट सिस्टम के अंतर्गत इंटीग्रेट किया जाए। साथ ही, स्वास्थ्य शिविर लगाकर ई-हैल्थ रिकॉर्ड के कार्य में गति लाई जाए।

राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में श्री अन्न को करें शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि "श्री अन्न" को राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल किया जाए जिससे इसके उपयोग को प्रोत्साहन मिले। उन्होंने कहा कि "श्री अन्न" की पोषण क्षमता एवं उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए मिड-डे मील तथा मां बाडी केन्द्रों पर पायलट बेसिस पर श्री अन्न आधारित उत्पाद शुरू किए

जाएं जिससे बच्चों में सुपोषण तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी आयोजनों में स्वयं सहायता समूह तथा राजीविका की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को उपयोग में लाया जाए जिससे न केवल उन उत्पादों को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि उनकी आय में वृद्धि भी होगी। शर्मा ने अधिकारियों को "श्री अन्न" के मार्केटिंग, उत्पादन तथा प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक समिति बनाने के भी निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि बजटीय घोषणाओं की स्पष्ट कार्ययोजना बनाई जाए जिससे तय समयसीमा में घोषणाएं धरातल पर उतर सकें। उन्होंने कहा कि विभाग अपनी बजटीय घोषणाओं की प्रगति रिपोर्ट तैयार कर उनकी नियमित समीक्षा करें। साथ ही, जिन विभागों में अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है उनके कार्य में तेजी लाई जाए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में रोजगार के अवसरों का सृजन करने के साथ सर्विस सेक्टर में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर पॉलिसी लाई जाएगी। साथ ही, राजस्थान ट्रेड प्रमोशन पॉलिसी लाकर राज्य में ट्रेडिंग सेक्टर का विकास एवं संवर्धन किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने सर्कुलर इकोनॉमी के व्यापक प्रसार, ई-बस सेवा, प्रस्तावित एमनेस्टी स्कीम, राजस्थान व्हीकल स्क्रैप पॉलिसी, घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप्ड गैस सप्लाई से जोड़ने की प्रक्रिया को गति देने सहित विभिन्न बजटीय घोषणाओं की प्रगति पर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने जल संसाधन, उद्योग, नगरीय विकास, तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, नागरिक उड्डयन, परिवहन, सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त, वन, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, राजस्व, स्वायत्त शासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कार्मिक, स्कूल शिक्षा और सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे प्रमुख विभागों की बजटीय घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा की। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जन-जन तक पहुंचे राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ- उप मुख्यमंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने सोमवार को फागी पंचायत समिति में उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने सभी विभागों के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को राज्य सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के निर्देश दिये। बैठक में डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि अधिकारी क्षेत्र के लंबित विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करें एवं स्वच्छ भारत मिशन, स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित अन्य विभागीय फ्लैगशिप योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाना सुनिश्चित करें।

उप मुख्यमंत्री ने फागी विकास अधिकारी से पंचायत समिति में प्रक्रियाधीन और निर्माणाधीन कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सहायक अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग को उपखण्ड में चल रहे सड़कों के निर्माण कार्यों को समय पर पूरा करवाने के निर्देश दिये। जेवीवीएनएल के सहायक अभियंता से उपखण्ड में बिजली आपूर्ति की रिपोर्ट लेकर स्थगन व अन्य कारणों की वजह से लंबित कृषि कनेक्शनों को आपसी समझाइश से पूरा करने, विद्त कनेक्शनों से वंचित घरों में कनेक्शन करने एवं पीएम सूर्य घर योजना के बारे में लोगों को जागरूक कर अधिक से अधिक लोगों को सौर ऊर्जा से लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

उन्होंने पीएचईडी के सहायक अभियंता से क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की जानकारी लेकर खराब हैंडपंपों को सही करने, कुओं को चालू करने एवं पानी की नियमित आपूर्ति करने के निर्देश दिये। अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, फागी से नगर पालिका के कार्यों की समीक्षा कर कस्बे में विकास कार्य, कस्बे के सौंदर्यकरण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना से जरूरतमंदों को लाभान्वित करने तथा फागी कस्बे में नियमित रूप से साफ-सफाई कर कचरे के निस्तारण के निर्देश

दिये।

उप मुख्यमंत्री ने ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी से उपखण्ड के सभी अस्पतालों की स्थिति की समीक्षा कर प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना का सभी पात्रों को लाभ दिलवाने, गर्मी के मौसम के मद्देनजर मेडिकल टीमों का गठन कर लागों की नियमित जांच कर आवश्यक दवाइयां देने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी जयपुर को उप जिला अस्पताल, फागी में सोनोग्राफी के चिकित्सक के रिक्त पद को भरने के निर्देश दिए।

उन्होंने उपखण्ड अधिकारी को हर सप्ताह बैठक आयोजित कर सभी विभागों की प्रगति रिपोर्ट से अवगत करवाने के निर्देश दिये। साथ ही सभी उपखण्ड स्तरीय अधिकारियों को विकसित राजस्थान के संकल्प को पूरा करने के लिए सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं एवं फ्लैगशिप योजनाओं से आमजन को लाभान्वित करने एवं सुशासन हेतु समय पर विभागीय कार्य करने के निर्देश दिए।

समाज कल्याण निदेशक ने ली विभागीय अधिकारियों की बैठक

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने सोमवार को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विधानसभा प्रश्न एवं वीआईपी पत्रों सहित अन्य विषयों पर विभागीय अधिकारियों की बैठक ली और जरूरी दिशा निर्देश दिए।

अम्बेडकर भवन में हुई बैठक में निदेशक ने लंबित स्टार मार्क प्रकरणों तथा विभागीय लंबित विधानसभा प्रश्नों को अविलम्ब निस्तारित करने, सभी योजना प्रभारियों को अपने स्तर पर लम्बित प्रश्नों की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए गए।

छात्रवृत्ति योजनाओं में जो आवदेन शिक्षण संस्थाओं के स्तर पर तथा विद्यार्थियों के स्तर पर लंबित है, उनका विभाग के जिला अधिकारियों से वी.सी या अन्य किसी माध्यम से संपर्क कर शीघ्र निस्तारित करने, जिलाधिकारी स्तर पर लम्बित आवेदनों को नियमित रूप से निस्तारित करने, अधिक संख्या में लम्बित आवेदन वाले जिला अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रारम्भ करने, महालेखाकार, विभागीय आंतरिक जांच एवं निरीक्षण विभाग द्वारा संपादित विशेष जांच तथा भौतिक सत्यापन के बकाया निरीक्षण प्रतिवेदनों और अनुच्छेदों के लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के भी निर्देश दिए।

अग्रवाल ने लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्रों को शीघ्र निस्तारित करने, विभागीय अधिकारियों और कार्मिकों की लम्बित डीपीसी वर्ष 23-24 व वर्ष 24-25 तथा नियमित डीपीसी वर्ष 25-26 का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के लिए भी निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि कोर्ट केस और अवमानना से संबंधित लम्बित प्रकरण शीघ्र निस्तारण किए जाएं। सभी विभागीय अधिकारियों को सीएमआईएस पोर्टल को स्वयं के स्तर पर प्रतिदिन देखने एवं लम्बित प्रकरणों को निस्तारित करने के लिए भी निर्देशित किया।

निदेशक ने मुख्यमंत्री महोदय द्वारा गत वर्ष समीक्षा बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों की अनुपालना करने, निष्क्रमणीय पशुपालको के लिए राजसंमद जिलें में स्वीकृत आवासीय विद्यालय के लिए भूमि आवंटन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने को भी निर्देशित किया। उन्होंने बजट घोषणाओं में स्वीकृत देवनारायण आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों के लिए भूमि आवंटन के कार्य को जिलाधिकारियों से संपर्क कर शीघ्र पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करने, इनके संचालन हेतु अविलम्ब भवन चिन्हिकरण करवाकर आवश्यक स्वीकृति जारी करवाने के भी निर्देश जारी किए।

बैठक में अतिरिक्त निदेशक केसर लाल मीणा, उप निदेशक दीपाली भगोतिया, अतिरिक्त निदेशक रीना शर्मा, अतिरिक्त निदेशक अशोक जांगिड़, अतिरिक्त निदेशक अरविंद कुमार सैनी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

राजभवन में छत्रपति संभाजी महाराज जयंती समारोह आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजभवन में मंगलवार को छत्रपति संभाजी महाराज जयंती उत्सव समारोह पूर्वक मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस दौरान नासिक से आई उनकी अश्व सवार भव्य प्रतिमा और शोभायात्रा का भाव भरा अभिनंदन किया। दिल्ली में जन्म जयंती मनाने के अंतर्गत मंगलवार को छत्रपति संभाजी महाराज की अश्व सवार प्रतिमा संग शोभा यात्रा राजभवन पहुंची थी।

राज्यपाल बागडे ने शोभायात्रा का अभिनंदन करते हुए उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने उनकी प्रतिमा की राजभवन में विधिवत पूजा अर्चना की और कहा कि छत्रपति संभाजी महाराज धर्माभिमानी थे।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

एक दिवसीय मधुमेह जांच एवं चिकित्सा शिविर संपन्न

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रधान चिकित्साधिकारी डॉ. कैलाश चन्द बरूलिया ने बताया कि राजकीय जिला आयुर्वेद चिकित्सालय, स्टेशन रोड में धन्वन्तरी गुजरात हर्ब की ओर से मंगलवार को एक दिवसीय मधुमेह जांच एवं चिकित्सा शिविर का शुभारंभ डॉ. जितेन्द्र सिंह हाडा एवं डॉ. हरिशंकर मीणा द्वारा किया गया। शिविर प्रभारी डॉ. राजकुमार गोयल ने बताया कि शिविर में 50 लोगों की जांच एवं 45 मरीजों को निःशुल्क दवा दी गई। शिविर में 5 रोगियों का अग्निकर्म, 7 मरीजों की शिरोधारा, 15 मरीजों का स्नेहन- स्वेदन तथा 30 व्यक्तयों को मधुमेह के बारे में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर डॉ. महेन्द्र मीणा, दिनेश नागर वरि. कम्पाउण्डर, सोनिया गौतम, नरूला गोत्तम, मुकेश, शिवकुमार, उमेश, निखिल, निकिता, कृष्णा ने अपनी सेवायें दी।

मदर्स डे पर वतन फाउंडेशन ने सीमाओं पर तैनात वीर जवानों की माताओं को किया नमन

- तिरंगा रैली निकाल देशभक्ति का दिया संदेश

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मदर्स डे के खास मौके पर वतन फाउंडेशन ने अनूठी पहल करते हुए देश के लिए अपने बेटे को समर्पित करने वाली वीर माताओं को याद किया और तिरंगा रैली निकालकर जवानों का मनोबल बढ़ाया। खेरदा स्थित जय हिंद हाउस कार्यालय पर बुजुर्ग माताओं का माला पहनाकर सम्मान किया गया और मदर्स डे की शुभकामनाएं दी गईं।

फाउंडेशन की सदस्य रूमा नाज ने कहा कि एक मां ही है, जो अपने बेटे को देश पर न्योछावर करने का जज्बा देती है। आज मदर्स डे पर हम उन सभी वीर माताओं को नमन करते हैं जिनकी कोख से ऐसे सपूत जन्मे, जो देश की रक्षा में अपने प्राण तक न्यौछावर करने को तैयार हैं।

कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों के बीच तिरंगा लहराया गया और सभी ने वीर जवानों की सलामती के लिए दुआ की। उपस्थित बुजुर्ग महिलाओं ने भी देश की शांति और भाईचारे के लिए आशीर्वाद दिए।

इस अवसर पर वतन फाउंडेशन के अध्यक्ष, पदाधिकारी व समस्त कार्यकर्ता मौजूद रहे।

20 साल पुरानी समान EPIC नंबरों की समस्या का भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समाधान

बारां, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग (EPIC) ने मतदाता सूची को स्वच्छ और अद्यतित रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लगभग 20 साल पुरानी एक जटिल समस्या का सफलतापूर्वक समाधान कर लिया है। यह समस्या विभिन्न निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (EPIC) द्वारा समान श्रेणियों का उपयोग करने के कारण उत्पन्न हुई थी, जिसके चलते कुछ वास्तविक मतदाताओं को गलती से समान निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (EPIC) नंबर जारी हो गए थे। यह त्रुटि वर्ष 2005 से चली आ रही थी।

इस लम्बे समय से चली आ रही चुनौती से निपटने के लिए, देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों तथा भारत के सभी 4123 विधानसभा क्षेत्रों के EROs ने मिलकर एक व्यापक राष्ट्रव्यापी जांच अभियान चलाया। इस दौरान 10.50 लाख मतदान केंद्रों पर मौजूद 99 करोड़ से अधिक मतदाताओं के पूरे डेटाबेस की गहन पड़ताल की गई। औसतन प्रत्येक मतदान केंद्र पर लगभग 1000 मतदाताओं का विवरण मौजूद है।

सघन जांच के परिणामों ने चौंकाने वाली बात सामने रखी। समान EPIC नंबरों की संख्या अत्यंत ही कम पाई गई। औसतन प्रत्येक चार मतदान केंद्रों में केवल एक ऐसा मामला प्रकाश में आया। फील्ड स्तर पर किए गए विस्तृत सत्यापन से यह स्पष्ट हुआ कि जिन मतदाताओं के EPIC नंबर समान थे, वे वास्तव में अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों और भिन्न-भिन्न मतदान केंद्रों के वास्तविक निवासी थे। आयोग ने तत्परता दिखाते हुए ऐसे सभी मतदाताओं को अब नए EPIC नंबरों के साथ नए पहचान पत्र जारी कर दिए हैं। इस समस्या की जड़ें वर्ष 2005 में निहित थीं, जब विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के विधानसभा क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत तरीके से अलग-अलग अल्फ़ान्यूमेरिक श्रृंखलाओं का उपयोग किया जा रहा था। वर्ष 2008 में निर्वाचन क्षेत्रों के पुनर्निर्धारण ¼delimitation½ के पश्चात इन श्रृंखलाओं में पुनः परिवर्तन किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान, कुछ विधानसभा क्षेत्रों ने या तो पुरानी श्रृंखला का उपयोग जारी रखा अथवा टाइपिंग संबंधी त्रुटियों के कारण किसी अन्य क्षेत्र को आवंटित श्रृंखला का इस्तेमाल कर लिया।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि प्रत्येक मतदाता का नाम उसी मतदान केंद्र की मतदाता सूची में दर्ज होता है जहाँ वह सामान्य रूप से निवास करता है। इसलिए, समान EPIC नंबर होने से कोई भी व्यक्ति किसी अन्य मतदान केंद्र पर मतदान करने में सक्षम नहीं होता है। इस कारण से, समान EPIC नंबर की इस समस्या का किसी भी चुनाव के परिणामों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारत निर्वाचन आयोग का यह प्रयास मतदाता सूची की शुद्धता और विश्वसनीयता बनाए रखने की उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस 20 साल पुरानी समस्या का समाधान निश्चित रूप से मतदाता सूची को और अधिक त्रुटि-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

गीत ये लम्हे

गीत के बोलों सी गुनगुनाती ज़िन्दगी में ,
तुम्हारी पदताल मुझे संगत देती थी,
हर पल जीवन की चुनौती उसे और भी,
झंकृत करती थी लयबद्ध करती थी।
सांसों की तरन्नुम उसे गुंजायमान करती,
तब वह और भी आकर्षक लगती थी।
जिसका संगीत कठिन सवाल का हल,
चुटकियों में ढूंढ लेने में मदद करता था ।
हर पल मानो ज़िन्दगी बुलाती थी,
र स के सागर में निमग्न होकर गाने को।
पल पल घटित होते अनुभवों से,
रोज नए तराने जन्म लेते थे।
मन करता था सुनतीं रहूं बुनती रहूं,
सुरीली इस धुन को चुनती रहूं।
किन्तु इक तेरी संगत जैसे छूटी
सांसों की ल य मानों टूट गई।
वो चुनौती जो लुभाती थी हरपल,
अब भयानक लगने लगती थी।
किन्तु अब भी विश्वास है आस है,
कानों में प्रतिध्वनित होते स्वर का।
तुम्हारे संसर्ग में बिताए लम्हे जो,
गूंजते हैं मन पर निनादित होकर।
अब तुम्हारी छवि साक्षात नहीं,
उभरती है एक अक्स बनकर।
हर पल सांसों की नई सरगम,
अब नयी रागिनी सुनाने को उद्यत है।
बीते लम्हों की पीड़ा अब मिटी नहीं,
पर अब तराने कुछ अलग होने लगे हैं।

डॉ. आरती भदौरिया
रिटायर्ड प्रोफेसर अंग्रेजी
राजकीय कन्या महाविद्यालय सवाई माधोपुर राजस्थान

"लाडो प्रोत्साहन योजना" राशि 1 लाख रूपए से बढ़कर 1.50 लाख रूपये हुई

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। गरीब परिवार में जन्म लेने वाली बालिकाओं के पालन-पोषण के लिए शुरू की गई लाडो प्रोत्साहन योजना की राशि राज्य सरकार ने 1 लाख रूपये से बढ़ाकर 1.50 लाख रूपये कर दी है। महिला एवं बाल विकास विभाग ने इस संबंध में संशोधित दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस अभिनव योजना में गरीब परिवार की बालिकाओं के जन्म पर 1.50 लाख रूपये का संकल्प पत्र राज्य सरकार की ओर से दिया जाएगा। -

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने 12 मार्च 2025 को वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा के दौरान राशि बढ़ाकर 1.50 लाख रूपये करने की घोषणा की थी। उल्लेखनीय है कि बालिका जन्म को प्रोत्साहित करने के साथ ही जन्म से लेकर वयस्क होने तक बालिकाओं के समग्र विकास के लिए राज्य सरकार ने 1 अगस्त 2024 से लाडो प्रोत्साहन योजना पूरे प्रदेश में लागू की थी।

बालिका जन्म के प्रति सोच बदलेगी यह योजना:

बालिका के जन्म के साथ ही अक्सर मां-बाप को उसके लालन-पालन और भविष्य के खर्चों की चिंता हो जाती है। माता-पिता की चिंताओं को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने 'लाडो प्रोत्साहन योजना' लागू की थी। इसका उद्देश्य संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना और बालिका शिशु मृत्यु दर में भी कमी लाना है। योजना के सकारात्मक पहलू को देखें तो भविष्य में घटते शिशु लिंगानुपात में भी सुधार आएगा। बालिकाओं का विद्यालय में नामांकन एवं ठहराव बढ़ेगा। माता-पिता उनकी पढ़ाई जल्दी छुड़वाकर कम उम्र में शादी नहीं करवाएंगे जिससे बाल विवाह में कमी लाने में भी मदद मिलेगी।

किश्तों में होगा राशि का भुगतान:

इस योजना में बालिका के जन्म पर 1.50 लाख रूपए राशि का संकल्प पत्र प्रदान किया जाएगा। बालिका के जन्म से लेकर 21 वर्ष आयु पूरी करने तक इस राशि का भुगतान 7 किश्तों में डीबीटी के माध्यम में ऑनलाईन किया जाएगा। पहली छह किश्तें बालिका के माता-पिता अथवा अभिभावक के बैंक खाते में तथा 7वीं किश्त बालिका के बैंक खाते में ऑनलाईन हस्तांतरित की जाएगी।

पात्र चिकित्सा संस्थानों में संस्थागत प्रसव के तहत बालिका का जन्म होने पर पहली किश्त 2500 रूपए, आयु एक वर्ष एवं समस्त टीकाकरण होने पर दूसरी किश्त 2500 रूपए, राजकीय विद्यालय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में पहली कक्षा में प्रवेश लेने पर तीसरी किश्त 4000 रूपए, राजकीय विद्यालय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में छठी कक्षा में प्रवेश लेने पर चौथी किश्त 5000 रूपए, राजकीय विद्यालय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में 10वीं कक्षा में प्रवेश लेने पर पांचवी किश्त 11,000 रूपए, राजकीय विद्यालय या राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालय में 12वीं कक्षा में प्रवेश लेने पर छठी किश्त 25,000 रूपए तथा राजकीय एवं राज्य सरकार से मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थानों से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं 21 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर 7वीं किश्त 1 लाख रूपए (राशि बालिका के बैंक खाते में ऑनलाईन ट्रांसफर होगी) मिलेगी। पहले सातवीं किश्त के रूप में 50 हजार रूपये देने का प्रावधान था जिसे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बढ़ाकर एक लाख रूपए कर दिया है।

योजना की प्रथम दो किश्तों के बाद किसी चरण में किश्त का लाभ नहीं लिए जाने की स्थिति में तर्कसंगत कारण का उल्लेख करने पर पात्र बालिका को अगली किश्त का लाभ मिल सकेगा।

योजना की पात्रता एवं प्रक्रिया:

योजना के पात्रता के तहत बालिका का जन्म राजकीय चिकित्सा संस्थान अथवा जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाय) के लिए अधिस्वीकृत निजी चिकित्सा संस्थान में होना आवश्यक है। साथ ही, प्रसूता का राजस्थान की मूल निवासी होना भी जरूरी है। गर्भवती महिला की एएनसी जांच के दौरान राजस्थान की मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र अथवा विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र, बैंक खाते का विवरण आदि दस्तावेज प्राप्त कर उनका चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा संधारण किया जाएगा और पीसीटीएस पोर्टल पर विवरण दर्ज किया जाएगा। संस्थागत प्रसव के तहत बालिका के जन्म के बाद प्रथम किश्त का लाभ बालिका की माता के बैंक खाते में देय होगा। माता की मृत्यु होने पर पिता के बैंक खाते में और माता-पिता दोनों नहीं रहे तो राशि का अभिभावक के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से ऑनलाईन हस्तांतरण होगा।

प्रत्येक बालिका को जन्म के समय ही यूनिक आईडी अथवा पीसीटीएस आईडी नंबर चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा दिया जाएगा। बालिका की आयु एक वर्ष पूर्ण होने एवं संपूर्ण टीकाकरण सुनिश्चत होने की ऑनलाईन जानकारी उपलब्ध होने के बाद चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा दूसरी किश्त की राशि माता-पिता अथवा अभिभावक के खाते में ऑनलाईन ट्रांसफर की जाएगी। तीसरी किश्त से लेकर छठी किश्त का लाभ संबंधित राजकीय अथवा राज्य सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों के माध्यम से दिया जाएगा जहां बालिका अध्ययनरत है। बालिका के माता-पिता से पूर्व की किश्तों की यूनिक आईडी अथवा पीसीटीएस आईडी नंबर मांगा जाएगा। आईडी के माध्यम से पोर्टल पर बालिका का विवरण ट्रेक किया जाएगा।

योजना की अंतिम किश्त बालिका के स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण करने एवं 21 वर्ष की आयु पूरी करने पर 1 लाख रूपये बालिका के खाते में सीधे हस्तांतरित किए जा सकेंगे। बालिका के स्नातक कक्षा में प्रवेश से लेकर स्नातक उत्तीर्ण करने से जुड़े दस्तावेज उच्च शिक्षा विभाग द्वारा पोर्टल पर अपलोड करने होंगे।

योजना का पर्यवेक्षण एवं क्रियान्वयन:

योजना का प्रशासनिक विभाग निदेशालय महिला अधिकारिता, महिला एवं बाल विकास होगा। प्रत्येक तीन माह में योजना की समीक्षा जिला स्तर पर संबंधित जिला कलक्टर द्वारा की जाएगी। योजना का पर्यवेक्षण 'बेटी बचाओ-बेटी पढाओ' योजना की जिला टास्क फोर्स द्वारा किया जाएगा।

आयुष ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता के तहत 10 मीटर ओपन एयर पिस्टल श्रेणी में हासिल किया द्वितीय स्थान

झुंझुनूं, (रॉयल पत्रिका)। बौद्धिक दिव्यांग व मूक बधिर बच्चों के लिए कार्यरत स्वयंसेवी संस्था आशा का झरना के मूक बधिर छात्र आयुष ने नेशनल राइफ़ल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा इंदौर में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 10 मीटर ओपन एयर पिस्टल श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान पर रहते हुए रजत पदक प्राप्त किया। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग झुंझुनू उपनिदेशक पवन पूनिया, कृष्णकांत यादव, संस्थान समन्वयक विनोद सैनी व पंकज विश्वकर्मा ने आयुष को प्रमाण पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया। आशा का झरना द्वारा दिव्यांगता के क्षेत्र में प्रकाशित जागरूकता सामग्री दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 तथा इक्कीस तरह की दिव्यांगता के लक्षण व पहचान - इन दोनों पुस्तिकाओं का विमोचन भी उपनिदेशक पवन पूनिया व दिव्यांग बच्चों द्वारा किया गया। विभाग द्वारा आशा का झरना की ओर से किए जा रहे विशेष शिक्षा व पुनर्वास प्रयासों की प्रशंसा की गई। साथ ही झुंझुंनू क्षेत्र के अभिभावकों से अपील की गई कि वे अपने बौद्धिक दिव्यांग या मूक बधिर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण विशेष शिक्षा व प्रशिक्षण दिलाने के लिए खेमी शक्ति मंदिर स्थित विभाग द्वारा अनुदानित आशा का झरना विशेष विधालय में प्रवेश दिलवाएँ ।

करुणा, सहिष्णुता व शांतिपूर्ण जीवन शैली के लिए अहिंसा प्रशिक्षण शिविर आयोजित

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। जैन विश्वभारती संस्थान के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा युवाओं में अहिंसा के सिद्धांतों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने तथा करुणा, समन्वय, सहिष्णुता और शांतिपूर्ण जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजकीय महिला महाविद्यालय सुजानगढ़ में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के विभिन्न सत्रों में व्याख्यान, समूह चर्चा और व्यवहारिक अभ्यासों के माध्यम से अहिंसा के संदर्भ में जैन दर्शन, गांधीवादी विचारधारा एवं आंतरिक शुद्धता के सूत्रों को सरल रूप में प्रस्तुत किया गया। अहिंसा के व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु प्रेक्षाध्यान को महत्वपूर्ण आयाम माना गया।

अहिंसा का प्रशिक्षण दिया जाना दुर्लभ है

शिविर में विभाग की आचार्या डॉ. लिपि जैन ने अपने सम्बोधन में कहा कि जैन विश्वभारती संस्थान एक ऐसा अनूठा मान्य विश्वविद्यालय है, जहां जैन दर्शन के मानवीय मूल्यों के साथ-साथ अहिंसा एवं शांति की शिक्षा प्रदान की जाती है और इसके लिए व्यावहारिक पद्धति के रूप में युवाओं के लिए अहिंसा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि आज संसार में हिंसा का प्रशिक्षण अनेक रूपों में दिया जा रहा है, लेकिन हमारा संस्थान ऐसा दुर्लभ स्थान है, जहां अहिंसा का प्रशिक्षण सुनियोजित रूप से दिया जाता है। विभाग के सह-आचार्य डॉ. आर.एस. राठौड़ ने कहा कि अहिंसा एक दर्शन एवं सिद्धांत ही नहीं है, बल्कि जीने का एक तरीका भी है। अहिंसा के सिद्धांतों एवं दर्शन को जीवन में अपनाकर व्यक्ति मानव सेवा एवं मानव कल्याण करने का माध्यम बन सकता है।

आचरण व भावनाओं को बदलने का काम

विभागाध्यक्ष डॉ. बलबीर सिंह ने शिविर में बताया कि उनका अहिंसा एवं शांति विभाग शांति और अहिंसा की शिक्षा देने के साथ-साथ व्यक्ति के आचरण, व्यवहार एवं भावनाओं में परिवर्तन कर उसे अहिंसक बनाए जाने पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि अहिंसा एवं शांति ऐसे दो आयाम हैं, जिन पर न केवल राष्ट्रीय स्तर पर अपितु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र संघ भी इस दिशा में क्रियाशील हैं। शिविर में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मंजू बाफना ने अंत में आभार व्यक्त किया। शिविर में 142 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। साथ ही महाविद्यालय के सभी संकाय सदस्य भी उपस्थित रहे।

राष्ट्रसेवा के लिए सदेव तत्पर रहें- हवलदार हवासिंह

लाडनूं, (रॉयल पत्रिका)। जैन विश्वभारती संस्थान में संचालित नेशनल कैडेट्स कोर (एनसीसी) की 3 राज गर्ल्स बटालियन के कैडेट्स को एक कार्यक्रम आयोजित करके 25 कैडेट्स को 'बी' सर्टिफिकेट्स का वितरण किया गया। इस अवसर पर 3 राज गर्ल्स बटालियन जोधपुर के हवलदार हवासिंह ने अपने सम्बोधन में सभी कैडेट्स को भारतीय सेना और एनसीसी के सम्बंध में अनेक रोचक एवं प्रेरणादायी बातें बताई तथा सभी से राष्ट्रसेवा के लिए तत्पर रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि एनसीसी युवावर्ग को अनुशासित रहना सिखाता है और साथ ही उनमें देशसेवा की भावनाएं जागृत भी करता है। उन्होंने अपने जीवन में सदैव राष्ट्रहित को प्राथमिकता देने की आवश्यकता बताई। एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. आयुषी शर्मा ने एनसीसी कैडेट्स द्वारा अपने प्रशिक्षण काल के दौरान अनुशासित कार्य, सामाजिक सहभागिता एवं नेतृत्व क्षमता के प्रदर्शन को सराहनीय बताया। उन्होंने कार्यक्रम के प्रारम्भ में स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया और अंत में धन्यवाद ज्ञापन भी किया। इस अवसर पर सभी एनसीसी कैडेट्स एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

भविष्य की उड़ान योजना से प्रेरित होकर जीनापुर और बिलोपा विद्यालयों को जनसहयोग से मिलेगा विकास अनुदान

सवाई माधोपुर,(रॉयल पत्रिका)। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने की दिशा में अभिनव पहल 'भविष्य की उड़ान' से प्रेरित होकर मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना के तहत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीनापुर को 4 लाख 10 हजार तथा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिलोपा को 2 लाख 25 हजार रुपए जनसहयोग एवं राज्य सरकार के अंशदान से प्राप्त होगा।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जीनापुर प्रधानाचार्य अनीता पूनिया द्वारा 1 लाख 64 हजार रुपये तथा राउमावि बिलोपा प्रधानाचार्या सुशीला राय द्वारा 90 हजार रुपये का चेक जिला कलक्टर शुभम चौधरी को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कृष्णा शर्मा एवं अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा दिनेश कुमार गुप्ता की उपस्थिति में सौंपा गया।

एडीपीसी दिनेश कुमार गुप्ता ने बताया कि जिले में भविष्य की उड़ान योजना के माध्यम से शिक्षा में नवाचार और संसाधन विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत मुख्यमंत्री जनसहभागिता विद्यालय विकास योजना से प्राप्त अंशदान का समन्वय करते हुए विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं में निरंतर सुधार किया जा रहा है।

विद्यालय विकास में रंग ला रहे सरकार और समाज के साझा प्रयास:- कार्यक्रम अधिकारी समग्र शिक्षा हेमराज मीणा ने जानकारी दी कि विद्यालय जीनापुर से प्राप्त 1.64 लाख रुपये की जनसहयोग राशि पर राज्य सरकार द्वारा योजनामद में 60 प्रतिशत अंशदान के रूप में 2.46 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि सहित कुल 4.10 लाख रुपये विद्यालय विकास हेतु प्राप्त होंगे।

इसी प्रकार, बिलोपा विद्यालय द्वारा जनसहयोग से एकत्र 90 हजार रुपये पर राज्य सरकार से 1.35 लाख रुपये का अंशदान प्राप्त हुआ है, जिससे कुल 2.25 लाख रुपये की राशि विद्यालय विकास हेतु स्वीकृत की गई है। प्राप्त राशि से विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति द्वारा बाउंड्री वाल निर्माण, कक्षा कक्षों की मरम्मत, कंप्यूटर लैब की स्थापना तथा विद्यालय सौंदर्यकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य करवाए जाएंगे। इन कार्यों से विद्यालयों की आधारभूत संरचना सशक्त होगी और छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा वातावरण प्राप्त होगा।

उन्होंने बताया कि शिक्षा में सुधार केवल सरकारी योजनाओं से ही नहीं, बल्कि जनसहयोग से भी संभव है। भविष्य की उड़ान जैसे नवाचार कार्यक्रम जिले में शिक्षा की दिशा और दशा दोनों बदलने की दिशा में एक मजबूत पहल है। इस दौरान जीनापुर विद्यालय से सुनीता त्रिवेदी, वाईस प्रिंसिपल मनराज मीना, व्याख्याता प्रमोद शर्मा उपस्थित रहे। बिलोपा विद्यालय से उप प्रधानाचार्य सरोज वर्मा, अध्यापक ओम प्रकाश मीना, असिस्टेंट प्रोफेसर दिनेश मीना, शैतान सिंह मीना, हरिसिंह मीना, विक्रम मीना एवं रामस्वरूप मीना भी उपस्थित रहे।

सुरक्षा जवान एवं सुपरवाइजर भर्ती कैंप में 92 अभ्यर्थियों का चयन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली एवं ग्लोबल इंडिया स्किल प्लेसमेंट के संयुक्त तत्वाधान मे सवाई माधोपुर जिले के ग्रामीण और शहरी शिक्षित बेरोजगार अभ्यर्थियों को सैनिक सुरक्षा जवान और सैनिक सुरक्षा सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती कैम्प का आयोजन किया जा रहा है।

कमांडेंट कार्यालय राकेश चौधरी ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगापुर सिटी में आयोजित कैम्प में कुल 320 बेरोजगार युवाओं ने भाग लिया। जिनमें से 92 अभ्यर्थियों का मौके पर ही चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को 15 और 18 मई को उदयपुर जिंक चौराहा ट्रेनिंग सेंटर में एक माह के प्रशिक्षण उपरांत 65 साल तक स्थाई नियुक्ति दी जाएगी। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों को भारत सरकार एवं राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक एवं पर्यटन स्थलों जैसे एम्स जोधपुर, जेके सीमेंट बाड़मेर, कुंभलगढ़ किला, रणथंभौर दुर्ग, ताज महल, आगरा किला, अस्पतालों, ऐतिहासिक धरोहरों व धार्मिक स्थलों एवं प्राइवेट सेक्टरों पर नियुक्त किया जाएगा।

जिन्ना के नाती जिनकी टाटा-अंबानी से हुई तीखी जंग

इस अरबपति का भारत में बड़ा साम्राज्य

नईदिल्ली, एजेंसी। नुस्ली वाडिया अरबपति भारतीय व्यवसायी हैं। वह वाडिया ग्रुप के चेयरमैन हैं। यह ग्रुप टेक्सटाइल, विमानन, केमिकल और रियल एस्टेट जैसे कई उद्योगों में काम करता है। नुस्ली वाडिया के पिता नेविल वाडिया प्रसिद्ध व्यवसायी थे। उनकी मां दीना वाडिया मुहम्मद अली जिन्ना की बेटी थीं। मुहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान के संस्थापक थे। नुस्ली वाडिया का परिवार कई पीढ़ियों से भारतीय व्यापार में महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने वाडिया ग्रुप को आगे बढ़ाया। बॉम्बे डाइंग जैसी कई नई कंपनियां स्थापित कीं। वह गोएयर एयरलाइन में भी सक्रिय रूप से शामिल थे। नुस्ली वाडिया को विवादों का भी सामना करना पड़ा। इसमें अंबानी परिवार के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता और टाटा ग्रुप के साथ कानूनी विवाद शामिल हैं। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी दान किया है। नुस्ली वाडिया की पत्नी का नाम मौरीन वाडिया है। उनके दो बेटे हैं- नेस वाडिया और जहांगीर वाडिया। आइए, यहां नुस्ली वाडिया की सफलता के बारे में जानते हैं।

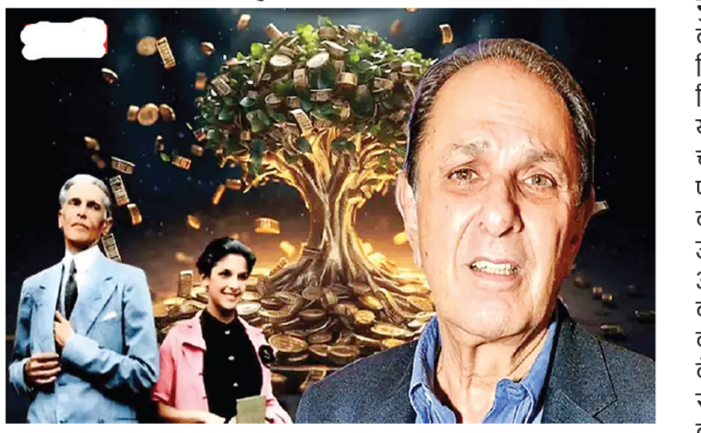

नुस्ली वाडिया का जन्म 15 फरवरी 1944 को बॉम्बे (अब मुंबई) में हुआ था। उनके पिता नेविल वाडिया व्यवसायी थे। उनकी मां का नाम दीना वाडिया था। नुस्ली वाडिया के परिवार का पारसी वाडिया परिवार में महत्वपूर्ण स्थान है। उनकी मां दीना वाडिया गुजराती मुस्लिम परिवार से थीं। उनके नाना मुहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान के संस्थापक थे। उनकी नानी रतनबाई पेटिट भारत के एक अमीर पारसी परिवार से थीं। नुस्ली वाडिया के दादा सर नेस वाडिया जाने-माने टेक्सटाइल उद्योगपति थे। उन्होंने 19वीं सदी के अंत में बॉम्बे को दुनिया के सबसे बड़े कपास व्यापार केंद्रों में से एक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। नुस्ली वाडिया की दादी अंग्रेज महिला थीं, जिनका नाम एवलिन क्लारा पॉवेल था। वह यॉर्कशायर से थीं। उनकी बुआ फातिमा जिन्ना राजनेता थीं। इस तरह नुस्ली वाडिया का परिवार राजनीति और व्यापार से जुड़े कई महत्वपूर्ण लोगों से संबंधित है।

केमिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी- नुस्ली वाडिया के पास ब्रिटिश नागरिकता भी थी, क्योंकि उनके माता-पिता दोनों का जन्म ब्रिटेन में हुआ था। उन्होंने कैथेड्रल और जॉन कॉनन स्कूल में शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के रग्बी स्कूल में भी पढ़ाई की। बाद में नुस्ली वाडिया ने अमेरिका में पढ़ाई की और फ्लोरिडा विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी की डिग्री हासिल की। 1962 में नुस्ली वाडिया ने बॉम्बे डाइंग में एक ट्रेनी के रूप में काम करना शुरू किया। 1970 में उन्हें संयुक्त प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया। 1971 में नुस्ली वाडिया को पता चला कि उनके पिता कंपनी को आर.पी. गोयनका को बेचने की योजना बना रहे थे। ऐसा इसलिए था क्योंकि कंपनी घाटे में चल रही थी। भारत में टैक्स भी बहुत अधिक था। उनके पिता परिवार को विदेश ले जाने की भी योजना बना रहे थे। नुस्ली वाडिया उस समय केवल 26 साल के थे। कंपनी चलाने की उनकी अपनी महत्वाकांक्षाएं थीं। अपनी मां, बहन, दोस्तों और जेआरडी। टाटा जैसे शुभचिंतकों की मदद से नुस्ली ने कंपनी के 11 फीसदी शेयर हासिल किए। उन्होंने कर्मचारियों को अपनी बचत जमा करने और शेयर खरीदने के लिए भी राजी किया ताकि कंपनी को बिकने से बचाया जा सके। नुस्ली वाडिया फिर लंदन गए, जहां उनके पिता सौदा कर रहे थे। उन्हें कंपनी को न बेचने या विदेश न जाने के लिए राजी किया। 1977 में नुस्ली वाडिया अपने पिता के बाद कंपनी के चेयरमैन बने। वाडिया ग्रुप कई तरह के कारोबार में शामिल है। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज एफएमसीजी क्षेत्र की एक बड़ी कंपनी है। यह वाडिया ग्रुप का ही हिस्सा है। बॉम्बे डाइंग भी इसी ग्रुप की कंपनी है। यह होम टेक्सटाइल के कारोबार में जानी जाती है। वाडिया ग्रुप ने गो फर्स्ट नाम से एक बजट एयरलाइन भी चलाई थी। लेकिन, यह 2023 में दिवालिया हो गई। सितंबर 2023 में नुस्ली वाडिया ने मुंबई में एक जमीन का टुकड़ा बेचा था।

जलवायु संरक्षण में भारत की भूमिका अहम, दुनिया ने माना- एशिया का लीडर

नईदिल्ली, एजेंसी। जलवायु संरक्षण की दिशा में भारत द्वारा किए जा रहे कामों को पूरी दुनिया में मान्यता मिल रही है। एक वैश्विक मंच ने अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की प्रगति की जमकर तारीफ की है और कहा कि भारत ऊर्जा परिवर्तन के मामले में एशिया का नेता बनकर उभर रहा है।

क्लाइमेट ग्रुप की सीईओ हेलेन क्लार्कसन ने सिंगापुर में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, एशिया में ऊर्जा परिवर्तन में भारत की अग्रणी भूमिका है। यह अपने जलवायु लक्ष्यों में लगातार प्रगति कर रहा है, जिसमें सौर ऊर्जा पर खासा फोकस किया जा रहा है। यह उत्साहजनक है।

सौर ऊर्जा पर खासा फोकस- हेलेन क्लार्कसन ने कहा, पिछले कुछ वर्षों में देखी गई प्रगति के साथ अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भारत की प्रगति शानदार है। उन्होंने भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2025 तक भारत की कुल अक्षय ऊर्जा (आरई) क्षमता 220 गीगावाट के करीब पहुंच गई है। इसमें सौर ऊर्जा का सबसे बड़ा योगदान है। यह कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता का करीब 48 प्रतिशत है।

एशिया ही आर्थिक और जलवायु संकट से निपटने की राह दिखा सकता है- क्लार्कसन ने कहा, एशिया एक ही बार में दो बड़े संकटों - आर्थिक और जलवायु - से निपट सकता है, अगर इसके उद्योग और सरकारें स्वच्छ तकनीक, नवाचार, नवीकरणीय ऊर्जा पर आधारित ऊर्जा सुरक्षा और डीकार्बनाइज्ड आपूर्ति श्रृंखलाओं के साथ आगे बढ़ें। एशिया ही वह जगह है जहां बदलाव की जीत होगी या हार होगी। 18 मई को आयोजित क्लाइमेट ग्रुप एशिया एक्शन समिट में एशिया भर के व्यापारिक नेता और नीति निर्माता एक साथ आए। क्लार्कसन ने कहा कि हमें साहसिक नेतृत्व, अभिनव समाधान, रणनीतिक स्वच्छ निवेश और सरकारों की दीर्घकालिक सोच की जरूरत है।

वैसोकॉन 2025 में पेट और लिवर की नसों से जुड़ी बीमारियों पर विशेषज्ञों ने की गहन चर्चा

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयोजित 10वीं वार्षिक गैस्ट्रो कॉन्फ्रेंस वैसोकॉन 2025 का सफल आयोजन 10-11 मई 2025 को हुआ। इस कॉन्फ्रेंस का आयोजन भोपाल इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और गैस्ट्रोकैन मल्टिस्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा किया गया, जिसका प्रमुख विषय था - वैस्कुलर इवेंट्स इन जीआई एंड लिवर - अर्ली डिटेक्शन, बेटर मैनेजमेंट। दो दिवसीय इस कार्यक्रम में देशभर के 40 से अधिक वरिष्ठ चिकित्सकों, गैस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट्स, सर्जनों, रेडियोलॉजिस्ट्स और एंडोस्कोपिस्ट्स ने भाग लिया। डॉ.एस.के.आचार्य, भुवनेश्वर की अध्यक्षता में अत्याधुनिक व्याख्यान पीटी आईएनआर- उपयोगिता और चेतावनियाँ, क्या बीटी सीटी एपीटीटी अभी भी प्रासंगिक है, चर्चा हुई, जिसने भाग लिया डॉ.वी.के.भारद्वाज, डॉ.रमेश माथव, डॉ.संजय पंत डॉ.रीता सिंह सक्सेना, भोपाल ने। डॉ. प्रवीण शर्मा की अध्यक्षता में टेग/रोटेम परीक्षणों का व्यवहार में सर्वोत्तम उपयोग कैसे करें, चर्चा में डॉ.राजेश भागचंदानी, डॉ.अमित सिंह, डॉ.शिल्पा तिवारी एवं डॉ.मनल अशरफ अली, भोपाल ने भाग लिया। ई-पोस्टर सत्र का विषय था व्याख्यान एक साथ जारी रहेंगे, जिसके जज डॉ.एस.के.आचार्य, भुवनेश्वर, डॉ. सी.सी.चौबल, भोपाल, डॉ. अचल गुप्ता, ग्वालियर थे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष की थीम बेहद विशेष थी क्योंकि वेस्कुलर बीमारियाँ, विशेषकर पेट और लिवर से जुड़ी, बहुत गंभीर होती हैं और उनका जल्द निदान और समुचित उपचार जीवनरक्षक सिद्ध हो सकता है।

मुश्किल वक्त में नहीं होगी वित्तीय समस्या, पांच नियम बना सकते हैं सशक्त

नईदिल्ली, एजेंसी। साल-दर-साल बढ़ती महंगाई, बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता और नौकरियों पर संकट के मौजूदा दौर में वित्तीय प्रबंधन की अहमियत काफी बढ़ जाती है। मुश्किल दौर में अपने और परिवार की रोजमर्रा की आवश्यक जरूरतों को पूरा करने के लिए आपके पास पर्याप्त फंड होना चाहिए। नौकरी जाने और कोई बीमारी होने जैसी आपातकालीन

स्थितियों से निपटने के लिए आपका वित्तीय रूप से सशक्त होना जरूरी है, जिसके लिए इन पांच नियमों का पालन कर सकते हैं।

70 का नियम- इस नियम के जरिये आप पता लगा सकते हैं कि लगातार बढ़ रही महंगाई की वजह से आपके निवेश की रकम कितने साल में आधी हो जाएगी। इसके लिए 70 में मौजूदा महंगाई दर से भाग दें। उदाहरण- अगर मौजूदा महंगाई दर 5 फीसदी है तो इससे 70 में भाग देने पर 14 आएगा। यानी महंगाई दर को देखते हुए अगर अपना निवेश नहीं बढ़ाते हैं तो 14 साल में आपका निवेश आधा हो जाएगा।

केनरा रोबेको ने लॉन्च किया केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड

- नया फंड ऑफर 9 मई, 2025 को खुलेगा और 23 मई, 2025 को बंद होगा
- यह योजना 6 जून, 2025 को या उससे पहले फिर से खुलेगी
- यह फंड अलग-अलग असेट क्लॉस में निवेश के इच्छुक लॉन्ग टर्म निवेशकों के लिए उपयुक्त है

मुंबई, एजेंसी। भारत के दूसरे सबसे पुराने एसेट मैनेजर, केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड ने आज केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड के लॉन्च का ऐलान किया है। यह एक ओपन-एंडेड हाइब्रिड फंड है जिसका लक्ष्य बाजार के अच्छे प्रदर्शन के समय अल्फा रिटर्न हासिल करना और बाजार के खराबदौरमेंनुकसान की संभावना को कम करना है।

यह फंड एक ओपन-एंडेड स्कीम है जो इक्विटी और इक्विटी से जुड़े इंस्ट्रूमेंट, डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट, गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ में निवेश करती है। इसकी मल्टी असेट एलोकेशन रणनीति का लक्ष्य सभी तरह की बाजार स्थितियों में बेहतर परिणाम हासिल करना है।यह फंड बदलती आर्थिक स्थितियों, अर्निंग मोमेंटम, मार्केट वैल्यूएशन और इक्विटी रिस्क प्रीमियमको ध्यान में रखते हुए समय-समय पर असेट क्लास की समीक्षा करता रहेगाजिससे पोर्टफोलियो को संतुलित रखने में आसानी होगी।

नया फंड ऑफर (एनएफओ) सब्सक्रिप्शन के लिए 9 मई, 2025 को खुलेगा और 23 मई, 2025 को बंद होगा।

केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर, श्री रजनीश नरूला ने कहा, केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड के लॉन्च से न केवल हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो का विस्तार होगा, बल्कि यह निवेशकों को बाजार की नई-नई जरूरतों को पूरा करने के लिए अलग-अलग तरह के समाधान प्रदान करने की हमारी क्षमता को भी बढ़ाएगा। हमारा लक्ष्यनिवेशकों के लिए लगातार नए फंड विकसित करना और उन्हें मजबूत पोर्टफोलियो बनाने में सहायता करना है।हम निवेशकों के वित्तीय लक्ष्यों के मुताबिकप्रोडक्ट विकसित करने के साथ ही इनमें लगातार सुधार करते रहतेहैं और उत्कृष्टता की अपनी संस्कृति पर फोकस बनाए रखते हैं। इस स्कीम के तहत कुल असेट का 65-80% हिस्सा इक्विटी और इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स में, 10-25% हिस्सा गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में और 10-25% हिस्सा डेट और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स में लगाया जाएगा। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड में इक्विटीज के हेड श्रीदत्त भंडवालदार ने कहाकेनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड का लक्ष्य लंबी अवधि में कम वोलेटिलिटी के साथ बेहतर रिटर्न देना है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने हाउस ऑफ ग्रोथ पहल के माध्यम से फ्रंटलाइन कर्मचारियों के जीवन स्तर को किया बेहतर

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने फ्रंटलाइन कर्मचारियों के जीवन की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक सराहनीय पहल की शुरुआत की है - हाउस ऑफ ग्रोथ। यह प्रयास उन चुनौतियों को मान्यता देता है, जिनका सामना बैंक की माइक्रोफाइनेंस टीमों को देशभर में जमीनी स्तर पर काम करते समय प्रतिदिन करना पड़ता है। इस समय बैंक देशभर के 888 स्थानों पर कर्मचारियों के साझा आवासों को अपग्रेड कर रहा है। इन आवासों में पाँच से छह अधिकारियों के रहने की व्यवस्था होती है, जिन्हें अब सुव्यवस्थित बेड, भरोसेमंद हाउसकीपिंग, मनोरंजन की सुविधाएँ और आरामदायक सामुदायिक स्थानों जैसे जरूरी संसाधनों से सुसज्जित किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से बैंक 6,000 से 8,000 फील्ड और लोन अधिकारियों को एक स्वच्छ, सुरक्षित और आरामदायक रहने का वातावरण प्रदान करना चाहता है - वे अधिकारी जो सुबह 7 बजे काम शुरू करते हैं और दिनभर कई गाँवों की यात्रा के बाद देर रात घर लौटते हैं। इस परिवर्तन की शुरुआत राजस्थान के बस्सी में पहले अपग्रेडेड अपार्टमेंट्स के उद्घाटन के साथ हो चुकी है। संजय अग्रवाल, संस्थापक, प्रबंध निदेशक एवं सीईओ, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, ने अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए कहा, फील्ड विजिट्स के दौरान मैंने अपने कर्मचारियों की साधारण और कई बार चुनौतीपूर्ण रहने की स्थितियाँ स्वयं देखीं - वे लोग जो असाधारण समर्पण के साथ हमारे देश के सबसे पिछड़े क्षेत्रों तक वित्तीय समावेशन पहुंचाने का काम करते हैं। उनकी दृढ़ता, निष्ठा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में किए गए बदलाव केवल प्रशंसा के नहीं, बल्कि ठोस सहयोग के हकदार हैं।' हाउस ऑफ ग्रोथ' जैसी पहल उनके योगदान को मान्यता देने और उन्हें अपने कार्यों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करने की दिशा में एक मजबूत कदम है।

अनिल अंबानी को मिली डबल खुशी... दो कंपनियों के शेयर में आई तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। अनिल अंबानी को सोमवार को सुबह-सुबह ही दो-दो गुड न्यूज मिलीं। उनकी दोनों प्रमुख कंपनियों रिलायंस पावर और रिलायंस इंफ्रा के शेयर में तूफानी तेजी आई। सुबह 10 बजे दोनों के शेयर में 10 फीसदी से ज्यादा की तेजी आ चुकी थी। वहीं सोमवार को शेयर मार्केट में भी तूफानी तेजी आई। सेंसेक्स 2000 अंक के चढ़ गया। सोमवार सुबह 10 बजे रिलायंस पावर के शेयर 10.71 प्रतिशत की तेजी के साथ 42.79 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। वहीं रिलायंस इंफ्रा के शेयर में भी 10 फीसदी से ज्यादा की तेजी थी। यह शेयर 10.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 258.40 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

रिलायंस पावर में क्यों आई तेजी?

रिलायंस पावर के शेयर में तेजी का कारण कंपनी की चौथी तिमाही में हुआ मुनाफा है। कंपनी ने बताया कि उसे वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में 126 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 397.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी के खर्चों में कमी आने से उसे फायदा हुआ है।

कितना चुकाया कर्ज?- पूरे वित्त वर्ष 2025 में रिलायंस पावर को 2,947.83 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। वहीं पिछले वित्त वर्ष 2024 में कंपनी को 2,068.38 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। कंपनी ने यह भी बताया कि उसने पिछले 12 महीनों में 5,338 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया है। इसमें मैच्योरिटी पर होने वाले भुगतान भी शामिल हैं।

रिलायंस इंफ्रा में तेजी का कारण- अनिल अंबानी की दूसरी प्रमुख कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर में भी सोमवार को जबरदस्त तेजी आई। यह तेजी कंपनी की चौथी तिमाही के नतीजों से पहले आई है।

3 फीसद पर आ सकती है खुदरा महंगाई

सस्ते लोन और ईएमआई कम होने की बढ़ी उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में गिरावट आने से खुदरा महंगाई दर अप्रैल में घटकर तीन फीसद पर आ सकती है, जो लगातार तीसरे माह आरबीआई के तय दायरे में रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे आरबीआई को जून में होने वाली मौद्रिक समीक्षा समिति की बैठक में ब्याज दरें कम करने का मौका मिल सकता है, जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। ब्याज दरें कम होने से लोन सस्ते होंगे और ईएमआई भी घटेगी।

मार्च में खुदरा महंगाई 3.34 प्रतिशत थी, जो अगस्त 2019 के बाद सबसे कम है। इस कमी के सबसे बड़ा कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट है। सब्जियों, दालों, और अंडों की कीमतें कम होने से खाद्य महंगाई दर मार्च में घटकर 2.69 प्रतिशत पर आ गई थी। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, घर में बने शाकाहारी खाने (थाली) की लागत में 3 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि मांसाहारी खाने की कीमतें स्थिर रहीं। इसके अलावा, पिछले साल की तुलना में इस साल महंगाई का आधार प्रभाव (बेस इफेक्ट) भी इस कमी में योगदान दे रहा है, क्योंकि पिछले साल अप्रैल में महंगाई अधिक थी।

आरबीआई के लिए मायने

महंगाई में कमी का सबसे बड़ा फायदा भारतीय रिजर्व बैंक को होगा। आरबीआई को खुदरा महंगाई को 4 प्रतिशत के आसपास बनाए रखने का लक्ष्य मिला हुआ है। इसमें 2 प्रतिशत की ऊपरी और निचली सीमा की छूट है। मार्च में 3.34 प्रतिशत और अप्रैल में अनुमानित 3 प्रतिशत की दर इस लक्ष्य से काफी नीचे है। इससे केंद्रीय बैंक को अपनी मौद्रिक नीति को नरम करने का अवसर मिलेगा।

इस साल एक फीसद की कटौती संभव

विशेषज्ञों का अनुमान है कि आरबीआई इस वर्ष रेपो दर में कम से कम 50 बेसिस प्वाइंट (0.50 प्रतिशत) की कटौती कर सकता है। मौजूदा परिस्थितियों और आरबीआई की नीति संकेतों को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है। केंद्रीय बैंक ने हालिया मौद्रिक नीति में अपने रुख को नरम किया है। यह संकेत है कि दरों में आगे और कटौती हो सकती है। आरबीआई ने इस वर्ष अब तक दो बार प्रमुख ब्याज दर (रेपो रेट) दरों में कटौती की है। अब जून में 25 आधार अंकों की एक और कटौती की उम्मीद की जा रही है।

लैंक्सेस को मिली शीर्ष रेटिंग: सीडीपी ने जलवायु और जल संरक्षण को लेकर कंपनी की प्रतिबद्धता को मान्यता दी

लैंक्सेस सभी रेटेड कंपनियों में शीर्ष 2 प्रतिशत में शामिल

- जलवायु श्रेणी में सीडीपी की ए सूची में आठवीं बार शामिल
- सीडीपी ने लैंक्सेस के जल संरक्षण को ए- रेटिंग दी

मुंबई, एजेंसी। जलवायु संरक्षण पहल सीडीपी ने जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में उत्कृष्ट योगदान के लिए लैंक्सेस को सम्मानित किया है। अपने नवीनतम मूल्यांकन में, सीडीपी ने विशेष रसायन कंपनी को जलवायु श्रेणी में शीर्ष ग्रेड ए दिया है। इससे लैंक्सेस, उन 24,700 से अधिक कंपनियों में शीर्ष 2 प्रतिशत में शामिल हो गया है जिनका मूल्यांकन सीडीपी ने किया।

ग्रेड ए उन कंपनियों को दिया जाता है जो जलवायु संरक्षण में अपनी गतिविधियों पर विशेष रूप से पारदर्शी और व्यापक रूप से रिपोर्ट करती हैं और संबंधित परियोजनाओं को लागू करती हैं। इसके लिए, उन्हें अपनी रणनीतियों और उपायों को प्रदर्शित करना होगा, जैसे कि वैज्ञानिक रूप से ठोस लक्ष्य निर्धारित करना और जलवायु संरक्षण योजना तैयार करना। लैंक्सेस 2012 से सीडीपी को जलवायु संरक्षण से संबंधित डेटा की जानकारी दे रहा है। इसके अतिरिक्त, सीडीपी ने जल संसाधनों के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के प्रति लैंक्सेस की प्रतिबद्धता का मूल्यांकन किया। संगठन ने इस क्षेत्र में ए- ग्रेड प्रदान किया।

लैंक्सेस एजी के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य ह्यूबर्ट फिंक ने कहा, अपने समाधानों और विशेषज्ञता के साथ, हम सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। साथ ही, हम अपने ग्राहकों को उनके स्थिरता लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं। सीडीपी की नई शीर्ष रेटिंग जलवायु संरक्षण को लेकर हमारी प्रतिबद्धता पर जोर देती है और दिखाती है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

सीडीपी- पर्यावरण डेटा की अधिकतम पारदर्शिता- स्वतंत्र गैर-लाभकारी संगठन सीडीपी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और जल संसाधनों एवं वनों के प्रबंधन पर वैश्विक पारदर्शिता बनाने के लिए समर्पित है। 2025 में, 24,700 से अधिक कंपनियों ने अपने डेटा जमा कराए, जिससे सीडीपी डेटा प्लेटफॉर्म पर्यावरणीय रूप से प्रासंगिक जानकारी की दुनिया का सबसे व्यापक स्रोत बन गया है।

किआ कैरेन्स क्लैविस लॉन्च: फैमिली कार में बोल्ड डिज़ाइन और हाईटेक कम्फर्ट का मेल

नई दिल्ली। किआ इंडिया, एकआरणी मास-प्रीमियम कार निर्माता कंपनी, ने अपने कैरेन्स पोर्टफोलियो में एकनया मॉडल कैरेन्स क्लैविस लॉन्च किया है। यह एकबड़ी, बोल्ड और बेहद स्पेशियस 3-रो कार है, जिसे आज केसमय के आधुनिक और बड़े भारतीय परिवारों के ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। कैरेन्स क्लैविस एमपीवी और एसयूवी केबीच की दूरी को कम करती है और इसमें आराम, जगह और बोल्ड डिजाइन के आधुनिकतकनीक सुरक्षा और भविष्यवादी लुककेसाथ खूबसूरती से जोड़ा गया है।' क्लैविस' नाम लैटिन शब्द क्लैविस औरिया से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'गोल्डन की'। यह नाम यादगार पारिवारिकरोमांच और हमेशा सहेज कर रखने वाली यादों का प्रतीक है। कैरेन्स क्लैविस केज़रिए किआ एकऐसी कार पेश कर रहा है जो नई पीढ़ी केपरिवारों की आकांक्षाओं को दर्शाती है - जिसमें सूझबूझ से लिया गया डिज़ाइन, सोच-समझ कर दी गई खूबियाँ और वैश्विकस्तर की आधुनिकताकीझलक है। कैरेन्स केलॉन्च केबाद से ही किआ ने भारत में फैमिली कार सेगमेंट की परिभाषा बदल दी है। सिर्फ तीन वर्षों में 2 लाख से ज्यादा भारतीय परिवारों ने इस पर भरोसा जताया है। भारतीय परिवारों की जरूरतों के गहराई से समझते हुए - जहाँ हर यात्रा में पीढ़ियों केसाझा अनुभव जुड़े होते हैं - कैरेन्स ने अपने स्पेस, आराम और भावनात्मकअपील से सबका दिल जीता है। अब कैरेन्स क्लैविस उसी सफर के अगली कड़ी है। यह कार बदलती जीवनशैली और नई आकांक्षाओं के ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है। इसमें 6 और 7-सीटर का आरामदायकविकल्प मौजूद है, जो बोल्ड डिज़ाइन, प्रीमियम स्पेस और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी केसाथ मिलकर आधुनिकभारतीय परिवारों के एकबेहतरीन और सुविधाजनकअनुभव देती है। श्री ग्वांग्गु ली, प्रबंध निदेशकऔर सीईओ, किआ इंडिया ने कहा, हम जो कुछ भी करते हैं, उसकी नींव ग्राहक पर टिकी है - जो उन्नत तकनीकऔर अनोखे डिजाइन से प्रेरित होता है। कैरेन्स क्लैविस का लॉन्च हमारी यात्रा में एकअहम पड़ाव है। यह हमारे प्रगतिशील, प्रीमियम और उद्देश्यपूर्ण दृष्टिकोण को दर्शाता है।

साई पल्लवी ने दमदार किरदारों से बनाई अलग पहचान

साई पल्लवी को उनकी महिला केंद्रित फिल्मों और दमदार किरदारों के लिए जाना जाता है। अपने 10 साल के करियर में साई छह फिल्मफेयर (साउथ) और 2 दक्षिण भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड अपने नाम कर चुकी हैं। इन दिनों साई रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' को लेकर चर्चा में हैं। जिसमें वो मां सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म से साई बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने जा रही हैं। आज साई के जन्मदिन पर जानते हैं उनके सफर के बारे में।

डॉक्टर हैं साई पल्लवी

9 मई 1992 को तमिलनाडु के नीलगिरी जिले के कोटागिरी में जन्मी साई पल्लवी एक बडगा (बदगा) परिवार से आती हैं। साई पल्लवी का पूरा नाम साई पल्लवी सेंथमराई है। लेकिन फिल्मों में वो साई पल्लवी के नाम से ही जानी जाती हैं। साई पल्लवी एक अभिनेत्री के साथ-साथ डॉक्टर भी हैं। उन्होंने जॉर्जिया के त्बिलिसी स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से मेडिकल की पढ़ाई पूरी की है। उन्होंने 2016 में एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है।

कॉलेज की छुट्टियों में की पहली फिल्म की शूटिंग, मिला फिल्मफेयर अवॉर्ड

मेडिकल की पढ़ाई करने के बावजूद साई ने एक्टिंग को अपना करियर बनाया। साई को अपनी पहली फिल्म मेडिकल की पढ़ाई के दौरान ही मिली थी। 2015 में आई फिल्म 'प्रेमम' में साई के काम को काफी सराहा गया और मलार टीचर की भूमिका के लिए उन्हें साउथ का बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला। साई ने 2016 में आई अपनी दूसरी मलयालस फिल्म समीर ताहिर द्वारा निर्देशित 'काली' के लिए पढ़ाई से एक महीने का ब्रेक लिया था। इस फिल्म में भी साई के काम की तारीफ हुई थी।

इस वजह से विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म को किया मना

2018 में साई पल्लवी के विजय देरकोंडा के साथ एक फिल्म में नजर आने की चर्चाएं थीं। मेकर्स ने साई को अप्रोच भी किया था। लेकिन साई ने फिल्म में विजय के साथ लिपलॉक सीन की वजह से फिल्म को मना कर दिया था। बाद में यह रोल रश्मिका मंदाना को ऑफर हुआ था। यह फिल्म विजय और रश्मिका की सुपरहिट फिल्म 'गीता गोविंदम' थी।

आखिरी बार 'थंडेल' में आई नजर

अपने दस साल के करियर में साई पल्लवी ने मलयालम, तमिल और तेलुगु सिनेमा में कई यादगार फिल्में दी हैं। जिनमें 'काली', 'फिदा', 'पावा कढ़ाइगल', 'श्याम सिंह रॉय', 'लव स्टोरी', 'गार्गी' और 'अमरन' जैसी फिल्में शामिल हैं। साई आखिरी बार 2025 में आई फिल्म 'थंडेल' में नजर आई थीं। इसमें उनके साथ नागा चैतन्य प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। साई पल्लवी एक शानदार अभिनेत्री के साथ-साथ एक बेहतरीन डांसर भी हैं।

सीता के किरदार से बॉलीवुड में करेंगी डेब्यू

साउथ में अपने दमदार अभिनय की छाप छोड़ने के बाद अब साई पल्लवी बॉलीवुड में अपने जोरदार डेब्यू के लिए तैयार हैं। वो नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित 'रामायण' में माता सीता के किरदार में नजर आएंगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम और यश रावण के किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, जिसकी कुछ तस्वीरें भी लीक हुई थीं। 'रामायण' दो भागों में रिलीज होनी है, जिसका एक पार्ट साल 2026 में और दूसरा 2027 में रिलीज होना है। साई सीता मां के रोल के लिए काफी चर्चा में बनी हुई हैं। इसके अलावा साई के आमिर खान के बेटे अभिनेता जुनैद खान के साथ भी एक फिल्म में नजर आने की चर्चाएं हैं।

कुशा कपिला के नाम पर फ्रॉड! फैंस को चेताया

सोशल मीडिया पर कितना फ्रॉड या स्कैम होता है, इससे तो सभी जगजाहिर हैं। हाल ही में कॉन्टेंट क्रिएटर और एक्ट्रेस कुशा कपिला भी इसका शिकार बनीं। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैंस को इसकी जानकारी दी और उनके नाम पर पैसे मांग रहे फेसबुक अकाउंट से सचेत रहने की चेतावनी भी दी। इसके साथ ही उन्होंने स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। कुशा कपिला ने एक बयान जारी कर फैंस को एक फर्जी फेसबुक प्रोफाइल के बारे में सचेत किया है, जो उनके नाम पर पैसे मांग रहा है। उन्होंने फर्जी अकाउंट का स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें उनकी प्रोफाइल फोटो और नाम का इस्तेमाल किया गया था। अकाउंट के बायो में लिखा था स्मॉल एंड स्टूपिड और इसके 122च फॉलोअर्स थे, जबकि यह केवल तीन लोगों को फॉलो करता था।

कुशा ने फैंस से की रिक्वेस्ट

कुशा ने इस मुद्दे को ऐसे समय उठाने के लिए माफी मांगी, जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ रहा था। उन्होंने कहा, यह फेसबुक पेज मेरा नहीं है/मैं इसे नहीं चलाती। प्लीज सभी अनुचित मैसेज/पैसे की रिक्वेस्ट को अनदेखा करें।

लुक के कारण चर्चा में थीं कुशा

इससे पहले कुशा अपने लुक्स को लेकर चर्चा में थीं। उन्हें पपाराजी ने स्पॉट किया था। उन्हें देखकर फैंस ने दावा किया था कि वो बिल्कुल भी पहचान में नहीं आ रही हैं।

इन प्रोजेक्ट्स में नजर आईं कुशा

वर्कफ्रंट की बात करें तो कुशा को पिछली बार सीरीज लाइफ हिल गई में देखा गया था। इसमें दिव्येंदु और मुक्ति मोहन जैसे कलाकार थे। उन्होंने मसाबा मसाबा सीजन 2, केस तो बनता है, माइनस वन- न्यू चैप्टर और देहाती लड़के छाया जैसी सीरीज में एक्टिंग की है। वो कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, जिनमें घोस्ट स्टोरीज, प्लान ए प्लान बी, सुखी और थैंक यू फॉर कमिंग शामिल हैं।

फर्जी 2 के लिए शाहिद कपूर को मिल रही करियर की सबसे ज्यादा फीस

बॉलीवुड एक्टर शाहिद कपूर की मोस्ट अवेटेड वेब सीरीज फर्जी के सीक्वल की शूटिंग शुरू होने से जुड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि इसके कमबैक की पूरी तैयारी हो गई है। साथ ही इस बार एक्टर को इसके लिए मोटी रकम भी मिल रही है। 2023 में अमेजन प्राइम वीडियो के साथ उन्होंने अपना ओटीटी डेब्यू किया था। और अब फिर से वह उसी अवतार में दिखाई देंगे। इसका डायरेक्शन राज और डीके ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, शाहिद कपूर को दूसरे सीजन यानी फर्जी 2 के लिए करीब 45 करोड़ रुपये बतौर फीस दिया जा रहा है। और ये उनके करियर की अब तक की सबसे ज्यादा फीस है। सोर्सेज के हवाले से बताया गया है कि शाहिद आमतौर पर प्रति फिल्म 25 से 30 करोड़ रुपये लेते हैं, लेकिन डिजिटल प्रोजेक्ट के लिए वो अलग फीस स्ट्रक्चर पर बातचीत करते हैं।

फर्जी 2 की शूटिंग कब होगी शुरू?

रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि फर्जी 2 इसी साल दिसंबर, 2025 तक में ये फ्लोर पर आ जाएगी। डायरेक्टर राज और डीके फिलहाल रक्त ब्रह्मांड की शूटिंग में बिजी हैं। और वह अपने सभी कमिटमेंट्स को पूरा करने के बाद सीक्वल के लिए प्री-प्रोडक्शन शुरू करेंगे। सोर्सेज ने ये भी बताया है कि इस वेब सीरीज के लिए शाहिद कपूर के साथ कोर प्लॉटलाइन पर बात हो चुकी है।

फर्जी 2 कब होगी रिलीज?

सीरीज के दूसरे सीजन में विजय सेतुपति और के के मेनन के बीच तकरार देखने को मिलेगी। रिलीज डेट की बात करें तो वह 2026 का दावा कर रहे हैं। इस सीरीज में राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा और काव्या थापर भी अहम भूमिका में थे। फिलहाल शाहिद कपूर अभी विशाल भारद्वाज की डायरेक्टेड एक गैंगस्टर एक्शन फिल्म अर्जुन उस्तारा की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म में तृप्ति डिमरी मुख्य भूमिका में हैं और यह 5 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सामंथा ने निर्देशक राज निदिमोरु संग किया रिश्ता कन्फर्म!

सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी लव लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका नाम निर्देशक राज निदिमोरू के साथ जोड़ा जा रहा है। इस बीच सामंथा ने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें राज निदिमोरु भी नजर आ रहे हैं। इसके बाद से ही यूजर्स का दावा है कि दोनों ने अपने रिश्ते की पुष्टि कर दी है। दरअसल, यह तस्वीरें सामंथा रुथ प्रभु ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। तस्वीरों में राज मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं और एक डॉगी उनके साथ खेल रहा है। जबकि दूसरी तस्वीर में सामंथा और राज एक साथ सेल्फी के लिए पोज देते नजर आ रहे हैं। इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'सफर लंबा था, लेकिन आखिरकार हम यहां तक पहुंच ही गए । एक नई शुरुआत।' सामंथा और राज निदिमोरु साथ में द फैमिली मैन और सिटाडेल- हनी बनी जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं। दोनों को पिकलबॉल टीम चेन्नई सुपर चैंप्स के साथ भी देखा गया था। इसके बाद से ही उनके रिश्ते को लेकर खबरें आने लगी थीं। हालांकि, अब तक दोनों ने इस बारे में कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों फिल्म शुभम का जोर-शोर से प्रमोशन कर रही हैं। यह बतौर प्रोड्यूसर उनकी पहली फिल्म होगी।

ओप्पम के रीमेक के लिए सैफ सीखेंगे कलारीपयट्ट

सैफ अली खान मलयालम की सुपरहिट थ्रिलर फिल्म ओप्पम के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन जाने-माने निर्देशक प्रियदर्शन करेंगे और इसकी शूटिंग इसी साल के अंत तक शुरू होने की संभावना है। फिल्म में सैफ एक नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाएंगे और इस भूमिका को प्रामाणिकता देने के लिए वह पारंपरिक भारतीय मार्शल आर्ट कलारीपयड्डू भी सीखेंगे।

सैफ की यह ट्रेनिंग इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के प्रति उनकी कमिटमेंट को दर्शाता है, जिसमें फिजिकल स्किल और इमोशनल इंटेंसिटी दोनों की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार सैफ, राहुल ढोलकिया की फिल्म पूरी करने के बाद दो महीने का ब्रेक लेंगे। इस इस दौरान वह नेत्रहीन व्यक्ति का किरदार निभाने की तैयारी के लिए वर्कशॉप में भाग लेंगे। इसके बाद, वह कलारीपयड्डू सीखने के लिए केरल जाएंगे, क्योंकि उनका किरदार एक कुशल मार्शल आर्टिस्ट का है। मूल फिल्म ओप्पम में मोहनलाल का किरदार अपनी तेज सूंघने, सुनने और छूने की क्षमता के जरिए रहस्य को सुलझाता है और सैफ भी हिंदी रीमेक में उसी परफेक्शन को लाने के लिए कमिटेड हैं। वह इसमें इंटेंस एक्शन सीक्वेंस करते दिखेंगे।

ओप्पम जयरामन नाम के शख्स की कहानी बताती है, जो नेत्रहीन है और एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की बेटी की रक्षा करता है, जिसकी हत्या उस व्यक्ति ने की है जिसे न्यायाधीश ने एक जुर्म के लिए सजा सुनाई थी। हिंदी रीमेक का निर्देशन करने के साथ ही प्रियदर्शन इसकी राइटिंग भी कर रहे हैं।

वीरता की गाथा के साथ बड़ा मैसेज भी देगी केसरी वीर, इतिहास के सबसे अहम अध्याय को समर्पित 2

जल्द ही प्रिंस धीमान निर्देशित फिल्म 'केसरी वीर' में सुनील शेट्टी एक योद्धा का किरदार निभाते नजर आएंगे। यह फिल्म सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की एक ऐतिहासिक कहानी कहेगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने सोमनाथ मंदिर की रक्षा की थी, यही फिल्म की कहानी है। यह पहली बार नहीं है कि सुनील शेट्टी किसी एक्शन फिल्म कर हिस्सा बन रहे हों, वह अपने करियर में कई एक्शन फिल्म कर चुके हैं।

आपका किरदार इतिहास से है। इसके लुक पर क्या सावधानियां रखीं?

वेगड़ा जी शिव भक्त योद्धा हैं, जिनके रुद्राक्ष, माला, केश, दाढ़ी और खास वेशभूषा उनकी पहचान हैं। पूरी फिल्म में एक ही कपड़े पहने यह किरदार आम शिवभक्त या भील राजा जैसा दिखता है। पिता के रूप में नियंत्रित, पर मुगलों के खिलाफ आक्रामक योद्धा के रूप में नजर आता है।

कहीं से कोई किरदार था, जिससे इत्पायर होकर इसे आपने निभाया?

हमने महाभारत के शूरवीरों से प्रेरित होकर भी वेगड़ा जी का किरदार डिजाइन किया है। क्लाइमैक्स में वह कालजयी रूप लेता है। वरना पूरी फिल्म में नियंत्रित दिखने वाला यह किरदार, अंत में अपने गुस्से के विस्फोट से सुनील शेट्टी नहीं, सिर्फ वेगड़ा जी के रूप में ही पहचाना जाएगा।

क्या यह भी जेहन में था कि इसका स्केल बहुत बड़ा रखा जाए?

बजट की कमी के बावजूद, हमने प्रामाणिक कैमरा वर्क, कॉस्ट्यूम, बैकग्राउंड स्कोर और शूटिंग से स्केल बनाए रखा। फिल्मसिटी के जंगलों को वॉर जोन जैसा बनाकर, कंकड़-पत्थरों और पेड़ों के बीच असली एक्शन सीक्वेंस शूट किए गए हैं। इसका मकसद वेगड़ा जी और हमीरजी गोहिल के वास्तविक गोरिल्ला युद्ध शैली को दिखाना है, जैसे उन्होंने विदेशी आक्रमणकारियों का सामना किया था। हमने जंगलों को जस का तस रखा।

शांत रोल्स के विपरीत, वेगड़ा के ललकार वाले सीन में आपने क्या सोचा था?

करो या मरो वाली स्थिति में गुस्सा स्वाभाविक है, जैसा बॉर्डर में भी था। मौत के तांडव में इंसान का आक्रामक रूप दिखता ही है। वेगड़ा जी की जगह खुद को रखकर, दुश्मन को मारने के सिवा कोई और विकल्प नहीं सूझा। एक्शन के साथ आंखों में गुस्सा लाना जरूरी था। डबिंग में आंसू थे, क्योंकि पिता अपनी बेटी को कुछ न दे पाने की हालत में जान तक देने को तैयार था।

क्या फिल्म में कोई मैसेज भी है?

हमारी फिल्म का यही संदेश है कि हमें बंटना नहीं है, एकजुट रहना है क्योंकि उस दौर में वेगड़ा जी जैसे वफादार योद्धा तो थे लेकिन कई राजा दुश्मनों से मिल गए और उनके मुखबिर बन गए, जिसका नतीजा सबको पता है।

नैरटिव की ऐतिहासिक सटीकता कितनी है?

हमारे डायरेक्टर प्रिंस धीमान बहुत सच्चे रहे हैं, हर पहलू को लेकर। सोमनाथ मंदिर पर दर्जन भर से ज्यादा बार हमले हुए। उसमें से जो चौथी बार का हमला था, हमारी कहानी उस बारे में है। युद्ध के स्केल को बड़ा दिखाने के लिए जरूर क्रिएटिव कोशिशें हुई हैं, मगर जो वेगड़ा जी का अपनी बेटी के प्रति एक बेपनाह प्यार था, वह बिल्कुल सच्चा रखा गया है।

मेरा बर्ताव थोड़ा रूखा था... धर्मशाला में ब्लैक आउट पर पहली बार बोली प्रीति जिंटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण धर्मशाला में 'ब्लैकआउट' के चलते पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच रद्द होने के कुछ दिनों बाद अभिनेत्री और पंजाब आईपीएल टीम की सह मालिक प्रीति जिंटा ने स्टेडियम में दर्शकों को नहीं घबराने के लिए रविवार को धन्यवाद दिया। पंजाब की टीम बृहस्पतिवार को 10.1 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बना चुकी थी जब बत्ती गुल हो गई जिसे पहले फ्लडलाइट की विफलता के कारण माना गया। टीमों और दर्शकों को उनकी सुरक्षा के लिए स्टेडियम से बाहर निकाला गया। प्रीति ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों की अफरातफरी के बाद आखिरकार घर वापस आ गई हैं। उन्होंने रविवार को प्रशंसकों को धन्यवाद दिया। प्रीति ने 'एक्स' पर लिखा कि धर्मशाला स्टेडियम में मौजूद सभी लोगों को - नहीं घबराने और किसी भी तरह की भगदड़ नहीं करने के लिए धन्यवाद... मुझे खेद है कि मेरा बर्ताव थोड़ा

रूखा था और मैंने सभी के साथ तस्वीरें लेने से मना कर दिया लेकिन समय की मांग सभी की सुरक्षा थी और यह सुनिश्चित करना मेरा कर्तव्य और जिम्मेदारी थी कि सभी सुरक्षित रहें। इसे संभव बनाने के लिए धन्यवाद।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ स्टेडियम की क्षमता लगभग 23,000 दर्शकों की है और बृहस्पतिवार को स्टेडियम खाली कराए जाने के दौरान यह लगभग 80 प्रतिशत भरा हुआ था। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण शुक्रवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि मौजूदा स्थिति में टूर्नामेंट को जारी रखना उचित नहीं होगा। पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को धर्मशाला से निकाला गया और कड़ी सुरक्षा के बीच होशियारपुर के रास्ते जालंधर रेलवे स्टेशन पहुंचाया गया। टीमें शुक्रवार रात विशेष 'वंदे भारत एक्सप्रेस से नई दिल्ली पहुंचीं।

प्रीति ने कहा कि भारतीय रेलवे और हमारे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को दोनों आईपीएल टीम और सभी अधिकारियों और परिवारों को सुरक्षित, तेज और आरामदायक तरीके से धर्मशाला छोड़ने में मदद करने के लिए हार्दिक धन्यवाद। धर्मशाला में हमारे स्टेडियम को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से खाली कराने में मदद करने के लिए जय शाह, अरुण धूमल, बीसीसीआई और हमारे सीईओ सतीश मेनन और पंजाब किंग्स की संचालन टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद। सब कुछ बहुत अच्छी तरह से संभाला गया।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने शनिवार को कहा था कि बोर्ड के अधिकारी और आईपीएल संचालन परिषद भारत और पाकिस्तान के बीच सहमति बनने के बाद निलंबित टी20 लीग को फिर से शुरू करने के सर्वोत्तम संभावित कार्यक्रम पर रविवार को चर्चा करेंगे।

टेस्ट में विराट कोहली के इन रिकॉर्ड्स को तोड़ना होगा मुश्किल

भारतीय क्रिकेट टीम के धमाकेदार बल्लेबाज और सबसे सफल टेस्ट कप्तान रह चुके विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। हाल ही में रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था जिसके बाद कोहली के भी टेस्ट से संन्यास की खबरें थी। बीसीसीआई कोहली को संन्यास ना लेने के लिए भी मना रहा था, लेकिन इन सब के बीच अब कोहली ने सोमवार 12 मई को सोशल मीडिया पर टेस्ट क्रिकेट की जानकारी देते हुए सभी को हैरान करते हुए क्रिकेट से सबसे लम्बे प्रारूप से संन्यास ले लिया। टेस्ट में उनके रिकॉर्ड्स इस प्रकार हैं –

1. विराट कोहली भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। उन्होंने 68 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया है जिसमें 40 जीत हासिल की जो किसी भी अन्य कप्तान से सबसे ज्यादा हैं।
2. विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीतने वाले पहले एशियाई कप्तान हैं। उन्होंने 2018-19 यह उपलब्धि अपने नाम की थी।
3. लगातार 9 टेस्ट सीरीज जीतने का रिकॉर्ड भी कोहली के नाम है जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया के जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की।
4. कोहली ने टेस्ट में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा 5864 रन बनाए हैं जिसमें 20 शतक शामिल हैं।
5. विराट कोहली एकमात्र ऐसे टेस्ट कप्तान हैं इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका में जीत हासिल की। वह सेना देश में टेस्ट जीतने वाले एकमात्र भारतीय कप्तान हैं। कोहली सेना देशों में सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने वाले एशियन कप्तान भी हैं।
6. कोहली लगातार चार टेस्ट सीरीज (2016-17) में दोहरा शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं।
7. ऑस्ट्रेलिया में किसी भारतीय द्वारा बनाए गए सबसे ज़्यादा टेस्ट शतक (7) की सूची में कोहली सचिन तेंदुलकर (6) से आगे हैं।
8. किसी भारतीय द्वारा सबसे तेज 8,000 टेस्ट रन (169 पारी) बनाने वाले चौथे भारतीय (ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 115 और 141, 2014)।
9. बांग्लादेश को छोड़कर उन्होंने हर उस देश में और उसके खिलाफ टेस्ट शतक बनाए हैं, जिसके लिए उन्होंने खेला है।

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद विराट कोहली का बयान-

मैं अपने टेस्ट करियर को खुशी से याद रखूंगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आई है। दिग्गज भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है। कोहली वनडे और आईपीएल खेलते रहेंगे। संन्यास के बाद विराट कोहली का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि 'मैं अपने टेस्ट करियर को खुशी से याद रखूंगा' मैंने क्रिकेट और टीम को अपना बेस्ट दिया है। छत्तीस वर्षीय कोहली ने पिछले साल ही टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया था। उन्होंने भारत के लिए 123 टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 46.85 के औसत से 30 शतकों की मदद से 9230 रन बनाए हैं। कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर घोषणा की, ''जब मैं खेल के इस प्रारूप से दूर जा रहा हूं तो यह आसान नहीं है। लेकिन यह सही लगता है। मैंने इसे अपना सबकुछ दिया है और इसने मुझे उम्मीदों से कहीं अधिक दिया है। उन्होंने कहा, ''मैं खेल के लिए, मैदान पर खेलने वाले लोगों के लिए और हर उस व्यक्ति के लिए आभार लेकर जा रहा हूं जिसने मुझे इस दौरान खेलते हुए देखा।

टेस्ट रिटायरमेंट के बाद अनुष्का के साथ घर पहुंचे विराट

भारतीय क्रिकेट फैंस को उस वक्त आज एक बड़ा झटका लगा, जब विश्व क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का एलान कर दिया। टेस्ट से अपने संन्यास के एलान के बाद विराट कोहली पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ दिल्ली अपने घर पहुंचे हैं। दिल्ली एयरपोर्ट से विराट और पत्नी अनुष्का का वीडियो सामने आया है। इससे थोड़ी देर पहले दोनों मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आए थे। जहां पैपराजी को देखकर विराट मुस्कुराते दिखे थे। टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद विराट कोहली अब पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ दिल्ली पहुंच गए हैं। दिल्ली में विराट कोहली का घर भी है। ऐसे में अब विराट अपनी जिंदगी के इतने बड़े फैसले के बाद अपने घर पहुंचे हैं। जहां वो अपने घरवालों के साथ इस समय को व्यतीत करेंगे। एयरपोर्ट पर अनुष्का और विराट बेहद सादगी भरे अंदाज में नजर आए। अनुष्का ने कैजुअल लुक में हर किसी का ध्यान खींचा, वहीं विराट भी व्हाइट शर्ट-पैंट और व्हाइट शूज में काफी अच्छे लग रहे थे। दोनों के चेहरे पर मुस्कान थी।

टेस्ट में शानदार रिकॉर्ड

विराट ने अपने टेस्ट करियर के दौरान न सिर्फ रिकॉर्ड्स तोड़े, बल्कि क्रिकेट को एक नई पहचान भी दी। टेस्ट क्रिकेट में उनकी 9000 से ज्यादा रनों की उपलब्धि और विदेशों में मिली ऐतिहासिक जीतों को भुलाया नहीं जा सकता।

5 दिन के अंदर कोहली-रोहित का टेस्ट से संन्यास

नईदिल्ली (एजेंसी)। पांच दिन के भीतर भारत के दो सुपर स्टार क्रिकेटर विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। अब टीम में रवींद्र जडेजा को छोड़कर कोई भी 60 से ज्यादा टेस्ट खेलने वाला सीनियर प्लेयर नहीं बचा है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि प्लेइंग-11 में रोहित और विराट की जगह कौन लेगा?

यह ले सकते हैं कोहली की जगह?

विराट कोहली ने आज अपने इंस्टा हैंडल पर टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट का ऐलान किया। वे टीम में नंबर-4 पर बैटिंग करते हैं और स्क्वॉड के सबसे अनुभवी मेंबर हैं। उनके जाने से टीम में मिडिल ऑर्डर के अनुभवी और मजबूत बैटर का बहुत बड़ा गैप बनेगा। जिसे भरने के लिए भी 5 दावेदार मौजूद हैं।

श्रेयस अय्यर - भारत से तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके श्रेयस टेस्ट में कोहली को रिप्लेस करने के नंबर-1 दावेदार हैं। वे वनडे टीम में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं, लेकिन टेस्ट में खराब प्रदर्शन के कारण फिलहाल बाहर हैं। वे 14 टेस्ट में 1 शतक और 5 फिफ्टी लगा चुके हैं। श्रेयस के नाम 15 फर्स्ट क्लास शतक भी हैं।

रजत पाटीदार - इंग्लैंड के खिलाफ पिछली टेस्ट सीरीज में पाटीदार ने ही कोहली को रिप्लेस किया था। तब विराट निजी कारणों से सीरीज नहीं खेल सके थे। हालांकि, पाटीदार 3 मैचों में एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके। घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन को देखते हुए वे इंग्लैंड सीरीज के लिए एक बार फिर स्क्वॉड में जगह बना सकते हैं। रजत के नाम 13 फर्स्ट क्लास सेंचुरी हैं।

सरफराज खान - भारत के लिए पिछले साल ही टेस्ट डेब्यू करने वाले सरफराज 1 शतक और 3 फिफ्टी लगा चुके हैं।

भारत-पाक सीजफायर के बाद गुजरात टाइटंस ने प्रैक्टिस शुरू की

मुंबई (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद गुजरात टाइटंस ने प्रैक्टिस शुरू कर दी है। रविवार शाम को टीम के खिलाड़ियों ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जाकर प्रैक्टिस की। हालांकि,आईपीएल को दोबारा शुरू करने के लिए अभी आधिकारिक रूप से कोई बयान नहीं है। माना जा रहा है कि आईपीएल 16 या 17 मई से फिर से शुरू हो सकता है।

9 मई को आईपीएल को रोक दिया गया था - भारत-पाक के बढ़ते तनाव के कारण आईपीएल को 9 मई को एक हफ्ते के लिए रोक दिया गया था। फाइनल सहित 16 मैच बचे हुए है। वहीं 8 मई को धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए मैच को भी बीच में ही रोक दिया गया था। पंजाब ने पहले बैटिंग करते हुए 10.1 ओवर के बाद 1 विकेट के नुकसान पर 122 रन बना लिए थे। हमलों के बीच मैच रोकना पड़ा था।

16 या 17 मई से फिर हो सकता है आईपीएल, 9 मई को रोक दिया गया था

गुजरात पॉइंट्स टेबल में टॉप पर -आईपीएल रोके जाने तक लीग स्टेज के 57 मैच खत्म हो चुके थे। 58वां मैच बीच में रोका गया। 57 मैच के बाद पॉइंट्स टेबल में गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सबसे ज्यादा 16-16 पॉइंट्स रहे। बेहतर रन रेट के कारण जीटी टॉप पर रही।

आईपीएल 2025 जीतने की दावेदार

गुजरात टाइटंस शुरुआत से ही आईपीएल 2025 को जीतने की बड़ी दावेदार रही है। अभी इस टीम के 3 खिलाड़ी ऑरेंज कैप की रेस में हैं। साई सुदर्शन (509 रन), शुभमन गिल (508) और जोस बटलर (500 रन) बना चुके हैं। दूसरी ओर पर्पल कैप भी फिलहाल गुजरात टाइटंस के खिलाड़ी के पास है। गुजरात के प्रसिद्ध कृष्णा 20 विकेट लेने के साथ पर्पल कैप होल्डर बने हुए हैं। गुजरात के अभी 3 मैच बाकी हैं और वह टेबल के टॉप-2 में जगह पक्की कर सकती है

आईपीएल 16 मई से शुरू हो सकता है

- आईपीएल 16 मई से फिर शुरू हो सकता है। मौजूदा सीजन के बचे मुकाबले चार वेन्यू पर खेले जा सकते हैं। फाइनल मुकाबला 30 मई को मुमकिन है। नया शेड्यूल जल्द जारी होगा।
- बीसीसीआई के एक अधिकारी ने मीडिया से कहा- लीग के बाकी मुकाबले अगले हफ्ते से शुरू होंगे। इन्हें चार वेन्यू पर कराया जाएगा। जल्द ही वेन्यू फाइनल किए जाएंगे। लीग बेंगलुरु और लखनऊ मैच के साथ फिर से शुरू होगी।
- वहीं, मीडिया ने एक सूत्र के हवाले से लिखा कि फाइनल मैच कोलकाता से बाहर हो सकता है। पिछले शेड्यूल में प्लेऑफ के मुकाबले हैदराबाद और कोलकाता में खेले जाने थे। फाइनल मैच भी कोलकाता में होना था।

इजराइल के प्रतिबंध के कारण गाजा के अस्पताल में मरीजों के लिए पर्याप्त भोजन का अभाव

» खान यूनिस (गाजा पट्टी), भाषा।

गाजा में भोजन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर इजराइल द्वारा तीन महीने से जारी प्रतिबंध के कारण अस्पताल में मरीजों को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पा रहा। अस्पताल मरीजों को भोजन उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं इसलिए मरीजों के परिवारों को ही उनके लिए भोजन का प्रबंध करना पड़ रहा है। दक्षिणी शहर खान यूनिस के नासेर अस्पताल के जनरल सर्जन डॉ. खालिद अलसेर ने एसोसिएटेड प्रेस (एपी) से कहा, अधिकतर घायल मरीजों का खासकर पिछले दो महीनों में वजन कम हो गया है। उन्होंने कहा कि गहन देखभाल इकाई के मरीजों को भी पर्याप्त पोषण नहीं मिल पा रहा। उन्होंने कहा, जब मरीजों के लिए सर्वोत्तम विकल्प चुनने की बात आती है तो हमारे हाथ बंधे होते हैं। विकल्प सीमित होते हैं। सहायता समूहों ने कहा कि गाजा में कुपोषण की समस्या बढ़ रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पिछले महीने हजारों बच्चे गंभीर कुपोषण से पीड़ित पाए गए और वयस्कों को भी उचित पोषक तत्व नहीं मिल पा रहे हैं। अनुमान है कि इस साल 16,000 गर्भवती एवं हाल में मां बनीं महिलाएं कुपोषित हैं।

इजराइल ने आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर दो मार्च को प्रतिबंध लगाया था जिसके बाद से भोजन के स्रोत समाप्त हो रहे हैं, सहायता समूहों ने भोजन वितरण बंद कर दिया है और बेकरी बंद हो गई हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि पास्ता या दाल वितरित करने वाली परमार्थ रसोइयां अधिकतर आबादी के लिए अंतिम जीवनरेखा बनी हुई हैं लेकिन आपूर्ति की कमी के कारण वे भी तेजी से बंद हो रही हैं। बाजार में डिब्बाबंद सामान और थोड़ी मात्रा में सब्जियों के अलावा लगभग कुछ भी उपलब्ध नहीं है और कीमतें बढ़ रही हैं। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि स्थानीय सब्जियों का उत्पादन घट गया है क्योंकि इजराइली सेना ने गाजा की 80 प्रतिशत कृषि भूमि को नुकसान पहुंचाया है और बाकी की अधिकतर भूमि नए घोषित सैन्य क्षेत्रों के अंदर स्थित है और वहां पहुंचा नहीं जा सकता। इजराइल ने कहा कि उसने मार्च में आपूर्ति पर रोक लगाई और अपना सैन्य अभियान फिर से शुरू किया ताकि हमास पर शेष बंधकों को छोड़ने और हथियार डालने के लिए दबाव डाला जा सके। हमास ने सात अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हमला किया जिसके बाद से युद्ध शुरू हुआ। हमले में चरमपंथियों ने लगभग 1,200 लोगों की हत्या कर दी जिनमें ज्यादातर आम नागरिक थे और 251 लोगों को बंधक बना लिया। इनमें से अधिकतर को युद्धविराम समझौतों या अन्य समझौतों के तहत रिहा कर दिया गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमास के हमले के बाद इजराइल के आक्रमण में 52,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं।

अगर इजराइल ने अभियान समाप्त नहीं किया, तो गाजा में अकाल का खतरा : खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञ

तेल अवीव। खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञों ने सोमवार को आगाह किया कि अगर इजराइल ने अपनी नाकेबंदी नहीं हटाई और सैन्य अभियान बंद नहीं किया, तो गाजा पट्टी में अकाल का खतरा बढ़ सकता है। भूख संकट की गंभीरता पर एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरण, इंटिग्रेटेड फूड सिक्योरिटी फेज क्लासिफिकेशन के निष्कर्षों के अनुसार, जब तक परिस्थितियां नहीं बदलतीं, तब तक अकाल की संभावना सबसे अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग पांच लाख फलस्तीनी नागरिक भुखमरी के कगार पर खड़े हैं, जबकि अन्य 10 लाख लोग आपातकालीन स्थिति से गुजर रहे हैं। इजराइल ने पिछले 10 हफ्तों से फलस्तीनी क्षेत्र में किसी भी तरह के भोजन, आश्रय, दवा या अन्य सामान के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है, जबकि वह हवाई हमले और जमीनी अभियान चला रहा है। गाजा की लगभग 23 लाख की आबादी जीवित रहने के लिए लगभग पूरी तरह से बाहरी सहायता पर निर्भर है, क्योंकि इजराइल के 19 महीने से जारी सैन्य अभियान ने गाजा के अंदर खाद्य उत्पादन की अधिकांश क्षमता को खत्म कर दिया है। खाद्य आपूर्ति नाटकीय रूप से कम होती जा रही है। पका हुआ खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने वाली सामुदायिक रसोई अब गाजा में अधिकांश लोगों के लिए भोजन का एकमात्र बचा हुआ स्रोत है, लेकिन भंडार की कमी के कारण वे भी तेजी से बंद हो रहे हैं। हजारों फलस्तीनी रोजाना सार्वजनिक रसोई के बाहर नंबर लगाते हैं, दाल या पास्ता पाने के लिए धक्का-मुक्की करते हैं।रविवार को रसोई में इंतजार कर रहे रिहाम शेख अल-ईद ने कहा, हमें चार, पांच घंटे धूप में लाइन में खड़े रहना पड़ता है। यह थका देने वाला होता है। अंत में, हमारे हाथ जितना कुछ नहीं लगता है, वह सभी के लिए पर्याप्त नहीं होता। इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के विश्लेषक क्रिस न्यूटन ने कहा कि भुखमरी की घोषणा न होने का मतलब यह नहीं है कि लोग पहले से भूख से नहीं मर रहे थे। उन्होंने कहा, इजराइली सरकार हमास को नष्ट करने और गाजा पट्टी की सूरत बदलने के अपने प्रयास के तहत गाजा को भुखमरी के कगार पर ले जाना चाहती है। संयुक्त राष्ट्र ने इस बात से इनकार किया है कि सहायता का बहुत ज्यादा दुरुपयोग हो रहा है।

गाजा में शरणस्थल पर इजराइल के हमले में 16 लोगों की मौत

दीर अल बलाह। गाजा पट्टी में स्कूल से शरणस्थल बने एक भवन पर सोमवार को इजराइल द्वारा किए गए हवाई हमले में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, मारे गए लोगों में अधिकतर महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय की आपातकालीन सेवा ने बताया कि जबालिया क्षेत्र में स्थित इस स्कूल पर हमले में कम से कम पांच बच्चे और चार महिलाओं की जान चली गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। इजराइल की सेना का कहना है कि वह केवल आतंकवादियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौत के लिए हमास जिम्मेदार है क्योंकि उसके लड़ाके घनी आबादी वाले इलाकों में सक्रिय रहते हैं। इस हमले पर फिलहाल इजराइल की सेना की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। यह हमला उस वक्त हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा करने वाले हैं। गौरतलब है कि दो महीने पहले संघर्षविराम समाप्त होने के बाद इजराइल ने गाजा में युद्ध तेज कर दिया है। इस क्षेत्र में पिछले 10 सप्ताह से खाद्य पदार्थों, दवाइयों और अन्य आवश्यक वस्तुओं की नाकेबंदी के कारण मानवीय संकट और गहराता जा रहा है।

तुर्किए में आमने-सामने की होगी शांति वार्ता

क्रेमलिन के युद्ध विराम प्रस्ताव ठुकराए जाने के बाद रूसी ड्रोन ने यूक्रेन पर हमला किया

» कीव, भाषा।

क्रेमलिन द्वारा बिना शर्त 30 दिन के संघर्षविराम के प्रस्ताव को खारिज किए जाने के बाद रूस ने रात के समय यूक्रेन पर सौ से अधिक ड्रोन दागे। यूक्रेन की वायुसेना ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस बीच, क्रेमलिन की ओर से इस सप्ताह तुर्किए में आमने-सामने शांति वार्ता के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने की यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमर ज़ेलेंस्की की चुनौती पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। अमेरिका और यूरोपीय सरकारों ने लड़ाई को रोकने के लिए ठोस प्रयास किया है। पिछले तीन सालों से जारी इस युद्ध में दोनों पक्षों के हजारों सैनिकों के साथ-साथ 10,000 से अधिक यूक्रेनी नागरिक मारे गए हैं। रूस की हमलावर सेनाएं यूक्रेन के लगभग बीस फीसदी हिस्से पर कब्ज़ा कर चुकी हैं। सप्ताहांत में कूटनीतिक घटनाक्रम में, रूस ने अमेरिका और यूरोपीय नेताओं द्वारा पेश किए गए युद्ध विराम प्रस्ताव को खारिज कर दिया, लेकिन बृहस्पतिवार को यूक्रेन के साथ सीधी बातचीत की पेशकश की। यूक्रेन ने यूरोपीय सहयोगियों के साथ मिलकर रूस से शांति वार्ता करने से पहले सोमवार से युद्ध विराम स्वीकार करने की मांग की थी।

मॉस्को ने प्रभावी रूप से उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया और इसके बजाय इस्तांबुल में सीधी बातचीत का आह्वान किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन से रूसी प्रस्ताव को स्वीकार करने पर जोर दिया। ज़ेलेंस्की ने एक कदम आगे बढ़कर नेताओं के बीच व्यक्तिगत बैठक की पेशकश करके पुतिन पर दबाव डाला। 2022 में, युद्ध के शुरुआती महीनों में, ज़ेलेंस्की ने बार-बार रूसी राष्ट्रपति के साथ व्यक्तिगत बैठक का आह्वान किया, लेकिन उन्हें ठुकरा दिया गया। पुतिन और ज़ेलेंस्की की 2019 में केवल एक बार मुलाकात हुई है। ट्रम्प का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच गहरी नफरत ने शांति प्रयासों को आगे बढ़ाना मुश्किल बना दिया है।

जेलेंस्की को रूस से युद्धविराम की उम्मीद, बोले- मैं तुर्किए में पुतिन का इंतजार करूंगा

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें सोमवार से रूस के साथ पूर्ण और अस्थाई युद्धविराम की उम्मीद है और वह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ व्यक्तिगत तौर पर बातचीत करने के लिए तुर्किए जाएंगे। उनका यह बयान तुर्किए में 15 मई को सीधी बातचीत करने के रूस के हालिया प्रस्ताव को स्वीकारने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा यूक्रेन पर दबाव बनाए जाने के बाद आया है। यूक्रेन ने रूस से मांग की थी कि वह वार्ता से पहले सोमवार से 30 दिवसीय युद्धविराम को बिना शर्त स्वीकार करे। इससे पहले, रविवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के सामने 15 मई को तुर्किए के इस्तांबुल शहर में बिना किसी पूर्व शर्त के प्रत्यक्ष रूप से शांति वार्ता करने की पेशकश की, जिसका जेलेंस्की ने स्वागत किया। हालांकि, जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि रूस को पहले युद्धविराम करना होगा। पुतिन ने कहा कि वार्ताओं का उद्देश्य संघर्ष की मूल जड़ को खत्म करना और दीर्घकालिक व टिकाऊ शांति कायम करने पर पहुंचना होगा। पुतिन ने एक संबोधन में कहा, हम तुरन्त वार्ता शुरू करना चाहेंगे, अगले बृहस्पतिवार, 15 मई को, इस्तांबुल में, जहां पहले वार्ताएं आयोजित की गई थीं और जहां उन्हें बाधित किया गया था। उन्होंने कहा कि बातचीत बिना किसी पूर्व शर्त के होनी चाहिए।

भारत के साथ टकराव में एक सैन्य विमान को हल्का नुकसान पहुंचा : पाक सेना अधिकारी

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान की सेना ने रविवार देर रात स्वीकार किया कि भारत के साथ हालिया सैन्य टकराव में उसके एक सैन्य विमान को हल्का नुकसान पहुंचा है। हालांकि, विमान या उसकी क्षति से संबंधित विवरण की जानकारी साझा नहीं की गई। शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्वाई को तत्काल प्रभाव से रोकने पर सहमति बनी थी।

पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने वायु सेना और नौसेना अधिकारियों के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संवाददाता सम्मेलन का उद्देश्य ऑपरेशन बुनयान-उन-मरसूस की कार्वाई और नतीजों के बारे में जानकारी देना है। चौधरी ने कहा, पाकिस्तान के केवल एक विमान को हल्का नुकसान हुआ है, लेकिन उन्होंने विमान से संबंधित कोई और विवरण नहीं दिया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की हिरासत में कोई भारतीय पायलट नहीं है और इस संबंध में आई सभी खबरें सोशल मीडिया पर फैलाई गई झूठी अफवाहें हैं। सेना प्रवक्ता ने दावा किया कि पाकिस्तान की सैन्य प्रतिक्रिया सटीक, संतुलित और संयमित रही है।

अमेरिका ने भारत-पाकिस्तान के हालात पर ब्रिटेन से चर्चा की

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, (भाषा)। अमेरिका ने भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा हालात पर ब्रिटेन से चर्चा की है और सैन्य कार्वाई रोकने पर दोनों पड़ोसी देशों के बीच बनी सहमति को कायम रखने की जरूरत पर जोर दिया है। भारत और पाकिस्तान ने शनिवार को थल, वायु और समुद्र में गोलीबारी और अन्य सभी सैन्य कार्वाइयों को रोकने के लिए सहमति की घोषणा की थी। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टेमी ब्रूस ने एक बयान में कहा कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने रविवार को ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लेमी से बातचीत की। इसमें कहा गया, भारत-पाकिस्तान को लेकर बातचीत में अमेरिका और ब्रिटेन के विदेश मंत्रियों ने सैन्य कार्वाई रोकने पर दोनों पक्षों के बीच बनी सहमति को कायम रखने और संवाद जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। विदेश मंत्री ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीधे संवाद और संचार में सुधार के लिए सतत प्रयास के लिए अमेरिका की ओर से समर्थन जताया। रुबियो ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर अमेरिकी रुख की पुष्टि करते हुए कहा, हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता लड़ाई को समाप्त करना और तत्काल युद्ध विराम लागू करना है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पिछले सप्ताह भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर हमला करने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष बढ़ गया था।

न्यूज ब्रीफ

जापान के मंदिर से चोरी हुई बौद्ध प्रतिमा दक्षिण कोरिया ने वापस की

» तोक्यो, भाषा।

जापान के एक मंदिर से करीब 13 साल पहले चुराई गई 14वीं सदी की कोरियाई बौद्ध प्रतिमा सोमवार को वापस कर दी गई। प्रतिमा के स्वामित्व को लेकर जापान और दक्षिण कोरिया के बीच वर्षों से कानूनी लड़ाई चल रही थी, जिससे दोनों पड़ोसी देशों के बीच संवेदनशील संबंध और तनावपूर्ण हो गए थे। जब प्रतिमा को लेकर एक ट्रक जापान के पश्चिमी द्वीप तुशिमा के कन्नोनजी मंदिर में पहुंचा तो सड़क किनारे खड़े मंदिर के कई सदस्यों और स्थानीय निवासियों ने स्वागत करते हुए तालियां बजाईं। संभावना है कि मंदिर में एक अनुष्ठान के बाद मूर्ति को स्थानीय संग्रहालय में रखा जाएगा। बोधिसत्व की कांस्य की प्रतिमा को बैठी हुई मुद्रा में दर्शाया गया है और इसकी ऊंचाई लगभग 50 सेंटीमीटर है। इसे क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर घोषित किया गया है और यह 2012 में कन्नोनजी से चुराई गई दो प्रतिमाओं में से एक थी। दक्षिण कोरियाई सरकार ने उस वक्त एक प्रतिमा को जापानी मंदिर को लौटा दिया था, जब अधिकारियों ने चोरों से यह प्रतिमा बरामद की थी।

मामले में चोरों को गिरफ्तार कर लिया गया था और उनके खिलाफ मुकदमे चलाए गए थे। लेकिन, बोधिसत्व की प्रतिमा को लेकर कानूनी विवाद उस वक्त शुरू हो गया, जब पश्चिमी तटीय शहर सेओसान स्थित दक्षिण कोरियाई मंदिर बुसेओक्सा ने मुकदमा दायर कर दिया और इसके स्वामित्व का दावा किया। दक्षिण कोरिया के उच्चतम न्यायालय ने 2023 में जापानी मंदिर के पक्ष में फैसला सुनाया और दक्षिण कोरियाई मंदिर को प्रतिमा वापस करने का आदेश दिया। जापान और दक्षिण कोरिया के बीच कोरियाई प्रायद्वीप में 1910-1945 के दौरान जापानी अत्याचारों को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है, हालांकि क्षेत्रीय सुरक्षा पर साझा चिंता के कारण उनके संबंधों में सुधार हुआ है।

पोलैंड ने आग की घटना का हवाला देते हुए क्रैकुफ में रूसी वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया

» वारसॉ, भाषा।

पोलैंड के विदेश मंत्री रोदेक सिकोरस्की ने सोमवार को कहा कि वह दक्षिणी शहर क्रैकुफ में रूस के वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दे रहे हैं। इससे पहले पोलैंड के अधिकारियों ने पिछले साल वारसॉ में आग की एक घटना में एक व्यावसायिक केंद्र को तबाह करने के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। मैरीविल्स्का 44 शॉपिंग सेंटर में 12 मई, 2024 को आग लग गई थी जिसमें करीब 1,400 दुकानें और सेवा केंद्र थे। इनमें कई विक्रेता वियतनाम से थे, और यह घटना वारसॉ में वियतनामी समुदाय के कई लोगों के लिए त्रासदी साबित हुई। सिकोरस्की ने घटना के ठीक एक साल बाद सोमवार सुबह वारसॉ में जारी एक बयान में वाणिज्य दूतावास बंद किए जाने की घोषणा की।

उन्होंने ब्रिटेन की यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर बात की और संवाददाताओं से कहा कि यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि न्याय मंत्रालय और सुरक्षा बलों को इस बात के सबूत मिले कि रूस ने आग की घटना को अंजाम दिया था। उन्होंने कहा, वारसॉ में एक शॉपिंग मॉल में आग की यह बड़ी घटना घटी थी जिसमें सौभाग्य से कोई हताहत नहीं हुआ। इस तरह की घटना पूरी तरह अस्वीकार्य है। इसलिए रूसी वाणिज्य दूतावास को बंद करना पड़ेगा। और यदि ए हमले जारी रहे तो हम आगे कार्वाई करेंगे। रूस के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि वाणिज्य दूतावास बंद किए जाने का समुचित जवाब दिया जाएगा। रूसी समाचार संस्थान इंटरफैक्स ने विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा के हवाले से कहा, वारसॉ जानबूझकर लगातार संबंधों (पोलैंड और रूस के बीच) को नुकसान पहुंचा रहा है और नागरिकों के हितों के विरुद्ध काम कर रहा है। सिकोरस्की ने पिछले वर्ष पॉज्नान में रूसी वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया था, जो उस समय पोलैंड में स्थित तीन वाणिज्य दूतावासों में से एक था। ऐसा उन्होंने आगजनी सहित तोडफ़ोड़ की घटनाओं के जवाब में किया था, जिसके बारे में उन्होंने कहा था कि इन्हें मॉस्को ने अंजाम दिया। इसके बाद अब केवल एक रूसी वाणिज्य दूतावास बचता है जो गडांस्क में है।

ट्रंप को भारत का करारा जवाब... संघर्ष विराम में व्यापार की बात नहीं हुई

कश्मीर पर तीसरे पक्ष की मध्यस्थता मंजूर नहीं...भारत ने 'ट्रंप के दावे' को नकारा

पाकिस्तान को पीओके खाली करना होगा

भारत का स्पष्ट रुख- जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय रूप से हल करना होगा

सीसीएस के फैसले के अनुसार भारत सिंधु संधि को तब तक स्थगित रखेगा, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम को लेकर विदेश मंत्रालय ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान संघर्ष विराम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता को लेकर विदेश मंत्रालय ने कहा कि कश्मीर पर हमें मध्यस्थता मंजूर नहीं है।

पाकिस्तान को पीओके खाली करना होगा। उन्होंने ट्रंप के दावे को नकारते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू होने से लेकर 10 मई को गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद करने की सहमति तक, भारतीय और अमेरिकी नेताओं के बीच उभरते सैन्य हालात पर बातचीत हुई। इनमें से किसी भी चर्चा में व्यापार का मुद्दा नहीं उठा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमारा लंबे समय से राष्ट्रीय रुख रहा है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर से संबंधित किसी भी मुद्दे को भारत और पाकिस्तान को द्विपक्षीय रूप से हल करना होगा। इस नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

10 मई को सैन्य हालातों पर ही बात हुई

भारत संधि स्थगित रखेगा

उन्होंने कहा कि सीसीएस (सुरक्षा पर कैबिनेट समिति) के फैसले के बाद सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया। सिंधु जल संधि सद्भावना और मित्रता की भावना से शुरू हुई थी, जैसा कि संधि की प्रस्तावना में निर्दिष्ट है। हालांकि, पाकिस्तान ने कई दशकों से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देकर इन सिद्धांतों को स्थगित रखा है। अब सीसीएस के फैसले के अनुसार कि भारत संधि को तब तक स्थगित रखेगा, जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। जलवायु परिवर्तन, जनसांख्यिकीय बदलाव और तकनीकी परिवर्तनों ने जमीन पर भी नई वास्तविकताओं को जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तानी पक्ष द्वारा दिए गए बयान को देखा है। एक ऐसा देश जिसने औद्योगिक पैमाने पर आतंकवाद को बढ़ावा दिया है, उसे यह सोचना चाहिए कि वह इसके परिणामों से बच सकता है, यह खुद को बेवकूफ बना रहा है। भारत द्वारा नष्ट किए गए आतंकवादी बुनियादी ढांचे न केवल भारतीयों की बल्कि दुनिया भर में कई अन्य निर्दोष लोगों की मौत के लिए जिम्मेदार थे। अब एक नया नॉर्मल है। जितनी जल्दी पाकिस्तान इसे समझ लेगा, उतना ही बेहतर होगा।

चीन पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा

चीन ने पाकिस्तान को हथियारों से भरा मालवाहक विमान भेजने की खबरों का खंडन किया

» बीजिंग, भाषा।

चीन की सेना ने सोमवार को उन खबरों का खंडन किया कि उसके सबसे बड़े सैन्य मालवाहक विमान ने पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति की है और ऐसी अफवाहें फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फोर्स (पीएलएएफ) ने इस बात से इनकार किया है कि उसके शीआन वाई-20 सैन्य परिवहन विमान ने पाकिस्तान को हथियारों की आपूर्ति की है। चीनी रक्षा मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया कि इंटरनेट पर वाई-20 द्वारा पाकिस्तान को राहत सामग्री पहुंचाने के बारे में काफी सूचनाएं देखने के बाद, वायु सेना ने एक बयान में कहा कि इस तरह के दावे झूठे हैं। पीएलएएफ ने गलत जानकारी से संबंधित कई फोटो और शब्दों के स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किए तथा प्रत्येक स्क्रीनशॉट को लाल रंग से अफवाह लिख कर चिह्नित किया गया। रिपोर्ट में कहा गया, इंटरनेट कानून से परे नहीं है।

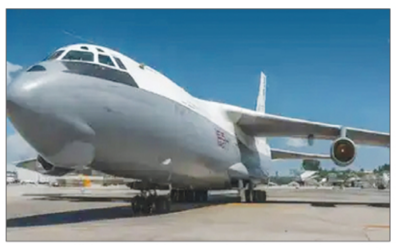

जो लोग सैन्य-संबंधी अफवाहें फैलाते हैं, उन्हें कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया जाएगा। पीएलए के पाकिस्तानी सेना के साथ घनिष्ठ संबंध हैं। पीएलए द्वारा किया गया यह खंडन महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि दो दिन पहले ही भारत और पाकिस्तान के बीच सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाइयां रोकने पर सहमति बनी थी। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (एसआईपीआरआई) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा हथियार आपूर्तिकर्ता बनकर उभरा है। रिपोर्ट के अनुसार 2020 से 2024 तक पाकिस्तान की हथियार खरीद का 81 प्रतिशत हिस्सा चीन से खरीदा गया। इस खरीद में नवीनतम लड़ाकू विमान, रडार, नौसैन्य जहाज, पनडुब्बियां और मिसाइलें शामिल हैं। दोनों देश संयुक्त रूप से जे-17 विमान बनाते हैं, जो पाकिस्तान वायु सेना (पीएएफ) का मुख्य आधार है। पाकिस्तान द्वारा चीनी हथियारों के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल और दोनों देशों के बीच प्रगाढ़ संबंधों को देखते हुए, चीनी आधिकारिक मीडिया ने पिछले कुछ दिनों में भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव में काफी रुचि दिखाई है, और विमानों को मार गिराने सहित पाकिस्तान के कुछ दावों को दोहराया है। भारत ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में छह मई की देर रात को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ढांचों को नष्ट कर दिया था। इसके बाद पाकिस्तान के सभी हमलों का जवाब ऑपरेशन सिंदूर के तहत दिया गया। चीन के सरकारी मीडिया ने पाकिस्तान के विमानों को मार गिराने के दावे की खबरों को प्रमुखता से पेश किया, लेकिन भारतीय वायुसेना द्वारा पाकिस्तान के भीतर नौ आतंकी ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हमले और उसके बाद रडार प्रणालियों तथा वायुसैनिक ठिकानों पर हमले को ज्यादा तवज्जो नहीं दी गई। बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास ने सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से पहले संदेशों की पुष्टि करने के लिए आगाह किया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,